राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सनी देओल की फिल्म ने ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

रविवार, 20 अगस्त 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 240 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

जोखिमों पर नियंत्रण पाने के लिए डिजिटल सुरक्षा पर तालमेल की सख्त जरूरत : अश्विनी वैष्णव

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि दुनिया के आपस में जुड़ जाने के बाद साझा सुरक्षा जोखिम पैदा हो गया है, जिसके लिए डिजिटल सुरक्षा पर परस्पर तालमेल की अत्यंत आवश्यकता है। वैष्णव ने 'जी–20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यसमूह मंत्रियों' की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यबल के सिलसिले में भारतीय अध्यक्षता में तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का चयन किया गया है, जिससे प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में मदद मिलेगी। रेलवे, इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा, "आपस में दुनिया के जुड़ जाने के बाद साझा सुरक्षा जोखिम पैदा हो गया है। इसलिए डिजिटल सुरक्षा पर तालमेल की जरूरत अत्यावश्यक हो गयी है।" वैष्णव ने कहा, "डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यसमूह के लिए भारत की अध्यक्षता में चुने गये प्राथमिकता वाले क्षेत्र डिजिटल लोक अवसंरचना, डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा और डिजिटल कौशल प्रशिक्षण हैं।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये प्राथमिकताएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिशादृष्टि की झलक देती हैं जो प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में यकीन करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया

कि प्रौद्योगिकी का लाभ हर नागरिक तक पहुंचना चाहिए, भले ही उसकी सामाजिक– आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। वैष्णव ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र की सार्वजनिक बुनियादी संरचना को प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में अहम भूमिका निभानी है। उनके अनुसार, भारत का डिजिटल मंच यूपीआई सार्वजनिक–निजी साझेदारी (पीपीपी) पहल का बहुत अच्छा उदाहरण है। वैष्णव ने कहा, "यह मंच सार्वजनिक कोष की मदद से बनाया गया है और फिर उससे निजी साझेदार जुड़ गये। सत्तर से अधिक बैंक, पांच करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता इस मंच से जुड़ गये।" उन्होंने कहा कि परिणाम यह हुआ कि जुलाई, 2023 में 10 अरब डॉलर के तत्क्षण लेनदेन हुए और वार्षिक आधार पर अब ये लेनदेन दो लाख करोड़ डॉलर को पार कर गये हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला का किया दर्शन–पूजन, मंदिर निर्माण कार्यों का लिया जायजा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे और उन्होंने रामलला दरबार में पूजा–अर्चना की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि पहुंचकर पूजा–अर्चना की और देश–प्रदेशवासियों के कल्याण व सुख–समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर निर्माण की प्रगति पर भी जानकारी ली। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मुख्यमंत्री को मंदिर निर्माण से जुड़ी जानकारी दी। सीएम योगी आदित्यनाथ ठीक 11 बजे हेलीकॉप्टर से अयोध्या पहुंचे, जहां रामकथा पार्क हेलीपैड पर सीएम योगी

हेलीकॉप्टर उतरा, इसके बाद वो यहां से सीधा श्री राम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने वहां भगवान राम की पूजा अर्चना की। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मुख्यमंत्री ईश्वर के आगे हाथ जोड़ते हुए आगे बढ़ते हैं और पूजा अर्चना करते हैं। इसके बाद वो रामलला की आरती भी उतारते हैं। इस दौरान वहां शंख ध्वनि बजती है। मंदिर के पुरारी उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहनाते हैं। इस दौरान वहां श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के सचिव चंपत राय भी दिखाई देते हैं।

इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण के कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने करीब 45 मिनट तक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में अयोध्या के अधिकारियों के साथ सांसद और नगर निगम के महापौर उपस्थित रहे। योगी ने दीपोत्सव से पहले राम नगरी की बेहतर साफ–सफाई का निर्देश दिया है। करीब दो घंटे की अयोध्या यात्रा के बाद योगी लखनऊ के लिए प्रस्थान कर गए।

हमेशा बनी रहेगी भारत–रूस की दोस्ती

डिप्टी एंबेसडर ने कहा- एलएसी विवाद से कभी नहीं उठाना चाहते कोई फायदा

नई दिल्ली। भारत में रूस के उप दूत रोमन बाबुश्किन ने शनिवार को कहा कि रूस कभी भी भारत–चीन सीमा तनाव से फायदा नहीं उठाना चाहता। एक निजी चौनल के जी20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उप दूत ने भारत और चीन दोनों के मित्र के रूप में रूस की

अद्वितीय स्थिति के बारे में बात की और कहा कि भारत और रूस के बीच दोस्ती ऐतिहासिक है और बनी रहेगी। रूस भारत की प्रगति को बनाए रखना चाहता है। वह जो भी निर्णय लेता है, उसे ध्यान में रखता है। रूस कभी भी भारत–चीन सीमा तनाव से लाभ नहीं उठाना चाहता। यह भारत और चीन के बीच एक भू–राजनीतिक मुद्दा है और रूस इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि भारत के साथ रूस की दोस्ती दुनिया के लिए मिसाल बन सकती है। रूस भारत के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को महत्व देता है और कई अन्य देशों के साथ अपने संबंधों पर इसे प्राथमिकता देता है। इस साल के अंत में भारत में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उन्होंने कहा, "समय आने पर सभी को पता चल जाएगा

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल, बोले– स्कूलों की हालत बेहद खराब है

रायपुर। चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में प्रचार करते हुए, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की भयानक स्थिति को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की। दिल्ली के मुख्यमंत्री राज्य की राजधानी रायपुर में एक चुनावी रैली में बोल रहे थे। उनके साथ उनकी पार्टी के सहयोगी और पंजाब समकक्ष भगवंत मान भी थे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, हम छत्तीसगढ़ में हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने 2–3 बड़े हॉल लेने की कोशिश की लेकिन सरकार ने कैंसल कर दिया। इस बार आप सरकार को कैंसिल कर देना। केजरीवाल ने कहा कि आजादी के 76 साल में। इकलौती

पार्टी है, कोई और दूसरी पार्टी नहीं जो कहती है– आपके स्कूल बनाएंगे हमें वोट दे दो। आपके अस्पताल बनाएंगे हमें वोट दे दो। उन्होंने कहा, मैं एक रिपोर्ट पढ़ रहा था, छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। लेकिन, दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत देखिए। आजादी के बाद पहली बार ऐसी सरकार आई है जो शिक्षा क्षेत्र के लिए इतना कुछ कर रही है। आप के मुख्य संयोजक ने छत्तीसगढ़ में मतदाताओं से अपनी पार्टी को एक मौका देने की अपील करते हुए कहा, हम राजनेता नहीं हैं, हम आपकी तरह सिर्फ आम लोग हैं। हमें छत्तीसगढ़ में एक मौका दें और आप अन्य सभी पार्टियों को भूल जाएंगे। भगवंत मान ने क्या कहा: इस बीच, उनके पंजाब समकक्ष भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, हम उनकी तरह सिर्फ नहीं बनाते हैं, हम वादा करते हैं कि हम क्या पूरा कर सकते हैं।

प्रशासन बताए तिरंगा रैली के दौरान नफरत फैलाने वालों पर क्या कार्रवाई हुई : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को प्रशासन से पूछा कि जम्मू में एक तिरंगा रैली के दौरान कथित तौर पर नफरत फैलाने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। मुफ्ती ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, "जब उपराज्यपाल प्रशासन कश्मीर में तिरंगा यात्रा में व्यस्त था, तो जम्मू में एक और घटना हुई, जहां दक्षिणपंथी कट्टरपंथियों ने खुले तौर पर मुस्लिम नरसंहार का आह्वान किया।"

एशियाड के लिए चुनी गयी टीम में कई अनफिट खिलाड़ी, रानी रामपाल का दावा

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज हॉकी महिला खिलाड़ी रानी रामपाल ने दावा किया है कि एशियाई खेलों के लिए चुनी गयी टीम में कई अनफिट खिलाड़ी शामिल हैं और साथ ही माना कि वह 'रिटायर' होने के 'मूड' में नहीं

हैं। हॉकी इंडिया द्वारा जारी संभावित टीम में रानी हांगझोउ जाने वाली टीम का हिस्सा नहीं हैं जबकि वह तोक्यो ओलंपिक के बाद लगी चोट से वापसी कर चुकी हैं। तोक्यो ओलंपिक में रानी की अगुआई में भारतीय महिला टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। रानी चोट से वापसी के बाद गुजरात में हुए पिछले राष्ट्रीय खेलों में शीर्ष स्कोरर रही थीं, उन्होंने हरियाणा के विजय अभियान में 18 गोल किये थे। इसके बावजूद रानी परेशान नहीं हैं क्योंकि खेल ने उन्हें जिंदगी में सबकुछ दिया है। उन्होंने पीटीआई से कहा, "मैं अपनी जिंदगी के उस चरण में हूं जहां मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है।

चुनावी फायदे के लिए हो रहा जी 20 का इस्तेमाल!

कांग्रेस बोली– जनता का ध्यान भटकाने के लिए इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं पीएम

नई दिल्ली। भारत जी20 की मेजबानी कर रहा है। इसको लेकर लगातार तैयारी की जा रही है। सितंबर के दूसरे सप्ताह में विश्व के बड़े नेता जी20 के मुख्य सम्मेलन के लिए दिल्ली में जुटेंगे। इन सब के बीच जी20 के बहाने कांग्रेस ने वर्तमान की केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लंबा–चौड़ा ट्वीट किया है।

जयराम रमेश का ट्वीट

अपने ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि ळ20 का गठन 1999 में हुआ था। 19 देश और यूरोपीयन यूनियन इसके सदस्य हैं। इसके गठन से लेकर अब तक बारी–बारी से 17 देशों में ळ20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है। अब भारत का नंबर है। उन्होंने कहा कि यहां इसे लेकर जिस तरह का चुनावी कैंपेन चलाया जा रहा है और माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, वैसा किसी भी दूसरे देश में नहीं हुआ। वास्तव में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि इसी नई दिल्ली में 1983 में 100 से अधिक देशों का गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन और उसके बाद कॉमनवेल्थ देशों का शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो चुका है। लेकिन तब की सरकार ने चुनावी फायदे के लिए उन मौकों का इस्तेमाल नहीं किया। मोदी पर निशाना

जयराम रमेश ने कहा कि फिर मुझे लालकृष्ण आडवाणी की वह बात याद आ रही है। 5 अप्रैल 2014 को उन्होंने नरेंद्र मोदी को एक शानदार इवेंट मैनेजर बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जी20 देशों से जनता की भलाई के लिए प्रौद्योगिकी की "समान उपलब्धता" और नवाचार को सभी के वास्ते सुलभ करने का आग्रह किया।

कमलनाथ ने मुझसे दल बदल के लिए संपर्क नहीं किया, भाजपा नेता भंवर सिंह शेखावत का बयान

इंदौर। कांग्रेस में जाने को लेकर सोशल मीडिया पर जारी अटकलों को शुक्रवार को खारिज करते हुये मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने दल बदल को लेकर उनसे

कोई संपर्क नहीं किया है। शेखावत के कांग्रेस में जाने की अटकलों के जोर पकड़ने के बाद इंदौर की शहर भाजपा इकाई के अध्यक्ष गौरव रणदिवे और इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा 72 वर्षीय नेता से मिलने उनके कार्यालय पहुंच गए। भाजपा नेता ने इसे सामान्य भेंट बताया, लेकिन भाजपा के मीडिया विभाग ने इस मुलाकात की बाकायदा तस्वीर जारी की। तस्वीर के साथ जारी बयान में शेखावत के हवाले से कहा गया है, मेरे साथ भाजपा के नगर अध्यक्ष (रणदिवे) खड़े हैं।

एक के बदले 5 एनकाउंटर, निवेश भी खूब आए, कश्मीर पर प्रोपेगेंडा वाली जो फिल्म महबूबा दिखाना चाह रही, वो वास्तविकता से क्यों मेल नहीं खा रही?

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने देश की मौजूदा स्थिति की तुलना पाकिस्तान और सीरिया से करते हुए कहा कि श्लोग बंदूकें उठा रहे हैं और एक–दूसरे को मार रहे हैं, जो भारत ने अब तक नहीं देखा है। आप देख सकते हैं कि वे हर जगह कितनी नफरत फैला रहे हैं। आम लोग एक–दूसरे को मारने के लिए बंदूक उठाने के लिए तैयार हैं। यह कुछ ऐसा है जो हमने पाकिस्तान में देखा है। यह कुछ ऐसा है जो सीरिया में हो रहा है। वहां वे अल्लाह हो अकबर चिल्लाते हुए लोगों को मार देते हैं। यहां हम जय श्री राम कहकर हत्या करते हैं। अब क्या अंतर है? एक निजी चौनल को दिए साक्षात्कार में महबूबा मुफ्ती ने कई ऐसे दावें किए अ ा इ ए सिलसिलेवार ढंग से परत दर परत इसकी हकीकत को आपको बताते हैं। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि कश्मीर को लेकर दुष्प्रचार जारी है, जैसे कि एक फिल्म का निर्देशन किया जा रहा हो। वास्तविकता ये है कि बरसो से कश्मीर में सत्ता

सुख भोगने वाले नेताओं को वहां के ताजा हालात हजम नहीं हो रहे हैं। आर्टिकल 370 के खात्मे के बाद कई तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कश्मीर में इस साल रिकॉर्ड तोड़ पर्यटन हो रहा है। फरवरी 2023 में कश्मीर में 1.2 लाख पर्यटक आए। एक निष्क्रिय पड़े होटल उद्योग को जीवन का नया संचार इससे मिला। एक साल में कश्मीर आने वाले आंगुतकों के आंकड़ों पर नजर डालें तो ये पिछले वर्ष 25 लाख के आंकड़ों को छूता नजर आया। 25 लाख से ज्यादा पर्यटकों के आगमन से ये संख्या पिछले 75 सालों में सबसे ज्यादा रहा। श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर घंटा घर के नाम से मशहूर क्लॉक टावर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगे से सुस्जित नजर आया। आर्टिकल 370 के खात्मे के बाद ग्रेनेड हमले में 15 प्रतिशत की कमी आई है। आईईडी धमाके से हताहत होने वाली घटनाओं में 77 प्रतिशत की कमी आई है। आगजनी की घटनाओं में 42 प्रतिशत की कमी आई है। सुरक्षाबलों से हथियारों के छीने जाने की घटना 60 प्रतिशत की कमी आई। पत्थरबाजी जो एक समय पहले तक कश्मीर की पहचान बनती जा रही थी। लेकिन आर्टिकल 370 के खात्मे के बाद इसमें 92 प्रतिशत की कमी आई। जम्मू–कश्मीर के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने और उन तक विकास के रथ को पहुंचाने में सेना की बड़ी भूमिका रहती है। भारतीय सेना अक्सर ऑपरेशन सद्भावना के तहत जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के लोगों तक पहुंचते हैं और अलग–अलग तरह से उनकी मदद करते हैं। आतंकवादी घटनाओं में 32 प्रतिशत की कमी आई है। ऐसे बहुत सारे छोटे–बड़े हिंसा, अपराध या इससे जुड़े आंकड़े हैं जिसमें ग्राफ नीचे की ओर ही जा रहा है। महबूबा मुफ्ती अब जय श्री राम और हिन्दुओं की भीड़ द्वारा हमले की बात कह रही हैं।

बिजली के नए कनेक्शन देने की प्रक्रिया को बनाए सरल : एके शर्मा

लखनऊ। जनता को नये विद्युत कनेक्शन आसानी से प्राप्त हों इसके लिए वर्तमान व्यवस्था में और सुधार एवं सरलीकरण किया जाये।जिससे गाँव के गरीब व्यक्ति के लिये आनलाइन आवेदन करना कठिन होता है।इसलिये ऐसी व्यवस्था बनायी जाये, जिससे अशिक्षित, गरीब सभी आसानी से कनेक्शन प्राप्त कर सकें।यह बातें शनिवार शक्ति भवन में समीक्षा बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कही।उन्होंने कहा कि विद्युत सम्बन्धी कार्यों में पारदर्शिता हो, इसके लिये उपभोक्ता फ्रेन्डली व्यवस्था बनायी जाये। उन्होनें 31जुलाई से 6अगस्त तक एक सप्ताह का चलाये गयें जनप्रतिनिधियों से संवाद एवं सम्पर्क अभियान की प्रशंशा की। उन्होनें कहा कि विभाग द्वारा किये गये इस प्रयास की जनप्रतिनिधियों नें खूब सराहना की। आगे भी विभाग के अधिकारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सम्पर्क बना कर रखना है। श्री शर्मा ने क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों को निश्चित समय में बदलने के लिये भी निर्देशित किया। उन्होनें कहा कि अभी भी अनेक स्थानों से यह शिकायतें आ रही है कि कतिपय ठेकेदार ट्रांसफार्मर बदलने में स्थानीय उपभोक्ताओं से अनुचित मांग करते हैं जो स्वीकार नहीं है। ऐसे लोगों के विरूद्ध कार्रवाई की जाये तथा ट्रांसफार्मरों की ट्रैकिंग व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाये जिसमें ट्रांसफॉर्मर के बदलनें के कार्यों में पारदर्शिता रहे, जिससे कोई भी अनुचित लाभ न ले सके।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सभी विद्युत कार्मिक अपनी कार्य संस्कृति एवं व्यवहार में सुधार लाएं। सभी अधिकारी व कर्मचारी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करें।उन्होंने कहा कि बिल न जमा होने से कनेक्शन काटने से पहले उपभोक्ता को अलर्ट मैसेज भेजें। बड़े बकायेदारों से वसूली के लिए मुनादी कराई जाए, उन्हें रात में भी फोन किया जाए। राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए सभी उपभोक्ताओं को समय से सही बिल दिया जाए, साथ ही शत प्रतिशत बिलिंग कराई जाए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विद्युत लाइन को जोड़ने और काटने के लिए, लिए गए शटडाउन पर विशेष सावधानी बरतें, जिससे कि विद्युत दुर्घटना न होने पाए। ऐसे कार्यों में शतर्क करने के लिए अलार्म सिस्टम को भी अपनाया जाए। साथ ही अनुरक्षण कार्यो के लिए शटडाउन लेने का एक निर्धारित समय निश्चित किया जाए। जिससे कि विद्युत कटौती से लोगों को परेशान न होना पड़े। शटडाउन लेने के लिए तकनीक का भी सहारा लिया जाए। उन्होनें विद्युत दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक के लिये भी सख्त निर्देश दिये। उन्होनें कहा कि इसके लिये सभी डिस्काम प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण ढंग से त्वरित समाधान करने के प्रयास किए जाएं। ट्रांसफार्मर की खराबी पर उसके स्थान पर उसी क्षमता का या उससे अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाए।जिससे कि ट्रांसफार्मर को जलने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि हम जितनी बिजली दें उतना राजस्व वसूलें। इसके लिए प्रत्येक उपभोक्ता से सम्पर्क किया जाये। उसे सही बिल देकर लगातार बिल जमा करने के लिए उससे आग्रह भी किया जाये। बिजली विभाग को ही इसका लाभ मिलेगा और लोग बिजली बिल जमा करेंगे। कोई नहीं चाहता है कि उसका कनेक्शन कट जाये।ऊर्जा मंत्री नें कहा कि उपभोक्ता हमारे लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हमारा कार्य एवं व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे उपभोक्ताआ के कार्य आसानी से हो सकें।ऊर्जा मंत्री नें बनारस, आगरा, मेरठ, लखनऊ तथा केस्कों वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशकों से विद्युत व्यवस्था, राजस्व वसूली, आरडीएसएस योजना की प्रगति तथा विद्युत आपूर्ति आदि के बारे में विस्तृत पूंछताछ की।

फार्मेसी काउंसिल और डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

लखनऊ। प्रदेश में जारी स्थानांतरण नीति को लेकर उप्र फार्मेसी काउंसिल व डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कालीदास स्थित आवास पर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। वहीं एसोसिएशन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला ने किया ।महामंत्री उमेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री से मिलकर संगठन व काउन्सिल की समस्याओं पर विस्तार से अवगत कराया।इस पर मुख्यमंत्री ने विस्तार पूर्वक समस्याओं को सुनने के बाद कहा कि संगठन की वेतन विसंगति पद नाम परिवर्तन एवं पदों के मानकों में परिवर्तन सहित समस्याओं पर विचार करेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को फार्मेसी का हब बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने विस्तार से बताया कि फार्मेसी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है और हमें दवाओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना है। हमारे पास योग्य फार्मासिस्ट है और हमें नित्य नयी रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्मासिस्ट जनता की सेवा से सीधा जुड़ा हुआ है।जिससे बड़ी जिम्मेदारी फार्मेसिस्ट के ऊपर है।उन्होंने कहा कि आप लोग अपनी पहचान जनता के बीच में बनाइये। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अत्यंत गंभीर है और प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रो में स्वास्थ्य सेवाओं को अत्यंत मजबूत किया जायेगा।इसी क्रम में संगठन द्वारा उत्तराखंड और हरियाणा का उदाहरण देते हुए वेतन उच्चीकरण की मांग की तथा नियम विरुद्ध हुए स्थानांतरण पर जाँच की माँग की व प्रदेश में फार्मेसी प्रेक्टिस रेगुलेशन लागू कराने व ब्रिज कोर्स की गाइड लाइन जारी करने ,रिफ्रेशर कोर्स कराने ,फार्मेसी रूल्स 1955 में संशोधन किये जाने ,नुस्खा लिखने का अधिकार दिए जाने ,संयुक्त निदेशक सहित अन्य पदों पर शत प्रतिशत पदोन्नति किये जाने की मांग रखी।

कटे होंठ और तालू वाले बच्चे खिल खिलाकर मुस्कुरा सकेंगें: मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी के अग्रवाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिले के कटे होंठ और तालू वाले बच्चे खिल खिलाकर मुस्कुरा सकेंगें बच्चों की इस जन्मजात वि.ति को दूर करने के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं हेल्थ सिटी हॉस्पिटल की ओर से जिले में निःशुल्क पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी के अग्रवाल ने दीं। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजन जिले पर ही नहीं बल्कि ब्लॉकों में भी किया जाएगा। इटवा, डुमरियागंज, खुनियांव, भनवापुर ब्लॉक के मरीजों का पंजीकरण दिनांक 21 अगस्त को कार्यालय सिद्धार्थनगर में किया जायेगा। बांसी, मिठवल, खेशरहा, जोगिया के मरीजों का पंजीकरण 22 अगस्त को हेल्थ वेलनेस सेंटर सूपाराजा ब्लॉक बांसी में किया जाएगा। बर्डपुर, बढ़नी, शोहरतगढ़ के मरीजों का पंजीकरण 23 अगस्त को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बर्डपुर में किया जायेगा। नौगढ़, उसका बाजार, लोटन के मरीजों का पंजीकरण 24 अगस्त को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय सिद्धार्थनगर में किया जायेगा। इसके अलावा समस्त ब्लॉक तथा शहरी क्षेत्र के छूटे हुए बच्चों का पंजीकरण 25 एवं 26 अगस्त को मुख्य चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटवा में किया जाएगा। बांसी, मिठवल, खेशरहा, जोगिया के मरीजों का पंजीकरण 22 अगस्त को हेल्थ वेलनेस सेंटर सूपाराजा ब्लॉक बांसी में किया जाएगा। बर्डपुर, बढ़नी, शोहरतगढ़ के मरीजों का पंजीकरण 23 अगस्त को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बर्डपुर में किया जायेगा। नौगढ़, उसका बाजार, लोटन के मरीजों का पंजीकरण 24 अगस्त को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय सिद्धार्थनगर में किया जायेगा। इसके अलावा समस्त ब्लॉक तथा शहरी क्षेत्र के छूटे हुए बच्चों का पंजीकरण 25 एवं 26 अगस्त को मुख्य चिकित्साधिकारी जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि कैम्प के दौरान पंजी.त बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन एवं सम्पूर्ण इलाज लखनऊ के हेल्थ सिटी ट्रामा सेंटर एवं सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के प्लास्टिक माइक्रोवस्कुलर कॉस्मेटिक एवं क्रेनियोफेशियल सर्जरी विभाग में किया जाएगा। उन्होने बताया कि कई बच्चों के होंठ व तालू जन्म से कटे होते हैं। होंठ के दोनों तरफ या एक ही तरफ संभव है। सामान्यतः होठ के साथ तालू भी कटा होता है किन्तु कभी–कभी केवल तालू के कटे होने की भी सम्भावना होती है। इसका समय से पहचान और उपचार होने से निजात मिल सकती है। यह बीमारी करीब 3000 जीवित शिशुओं में से एक को हो सकती है। स्माइल ट्रेन प्रोजेक्ट के निदेशक डा. वैभव खन्ना हेल्थ सिटी ट्रामा सेंटर एवं सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की सक्रिय भूमिका है। यह संस्था प्लास्टिक सर्जरी के द्वारा बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। इसमें हर आयु वर्ग के लोगों का इलाज पूर्णतया निःशुल्क किया जाता है। इस प्रोजेक्ट के तहत डा. वैभव खन्ना के द्वारा अबतक 13,000 से अधिक मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जा चुका है। जन्मजात बीमारी होने के कारण माता–पिता शुरुआती दौर में नही समझ पाते। बीमारी का समय से उचित चिकित्सीय इलाज न मिलने पर सही होना मुश्किल हो जाता है।यह बात महत्पूर्ण है कि बच्चों का समय से इलाज कराने पर जन्मजात वि.ति पूर्णतया ठीक हो सकती है।अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ वी एन चतुर्वेदी ने बताया कि अगर पैदायशी कटे होंठ व कटे तालू वाले मरीज़ो का सही समय पर आपरेशन हो जाये तो बच्चे के चेहरे पर जीवन भर मुस्कान रहती है। उन्होने कहा कि सर्जरी तो बाद में भी हो सकती है लेकिन परिणाम बहुत अच्छा नहीं होता है। हेल्थ सिटी ट्रामा सेंटर एवं सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में संचालित स्माइल ट्रेन प्रोजेक्ट का यही वास्तविक उद्देश्य है।सीएमओ ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि ऐसे बच्चे यदि आपके घर में या आसपास हैं, तो उनका पंजीकरण अवश्य कराएं और बच्चों को उनके चेहरे पर मुस्कान देने में विभाग का सहयोग करें।अधिक जानकारी के लिए डीईआईसी मैनेजर अनंत प्रकाश एवं स्माइल ट्रेन संस्था के प्रतिनिधि नीरज कुमार शर्मा के मोबाइल नंबर 9454159999 या 9565437056 पर संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

सांसद जगदंबिका पाल ने वितरित किया स्मार्ट फोन ,छात्र–छात्राए खुशी से झूमे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि स्मार्ट फोन वितरण देश को आधुनिक बनाने की एक पहल है। युवाओं को वितरण के पीछे सरकार की मंशा को जानकर इसका सदुपयोग करना चाहिए। आप सभी के मुठ्ठी में दुनिया की लाइब्रेरी होने जा रही हैं। जिस विषय को तलाशेंगे मिलेगी। छात्र–छात्राओं ने स्मार्ट फोन पाकर खुशी से झूम उठे। बर्डपुर क्षेत्र के सिद्धार्थ महाविद्यालय पर शनिवार को स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम के दौरान सांसद ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार हर क्षेत्र में विकास की गंगा बहा रही है।युवाओं को संसाधन उपलब्ध करवाकर सरकार तकनीकी दक्षता सम्पन्न बनाना चाहती है।

मोदी–योगी की डबल इंजन सरकार ने भ्रष्टाचार पर बुलडोजर चलवाकर अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। भाजपा जिला संयोजक कन्हैया पासवान ने कहा भाजपा सरकार सभी के बारे में सोचते हुए कार्य कर रही हैं। छात्रों को स्मार्ट फोन देकर आधुनिक बनने का कार्य कर रहे हैं। नौजवानों को जनपद में ही रोजगार मिल सके इस क्षेत्र में सांसद तेजी से कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में कालेज के 500 छात्र– छात्राओं को स्मार्ट फोन दिया गया। मौके पर महाविद्यालय संघ के जिलाध्यक्ष मुमताज अहमद, भाजपा स्नेहलता पाल, प्रबंधक प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, एसपी अग्रवाल, डा. रवि प्रकाश श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा, ओमप्रकाश यादव, नीतीश पांडेय, रमेश मणि त्रिपाठी, सुधांशू बोरा, हजरत अली, ओमकार पांडेय, विशम्भर पांडेय, चंदन श्रीवास्तव, राज कमल जायसवाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मारपीट एवं जानमाल की धमकी के तीन दोषियों को तीन वर्ष का कारावास

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार मलिक ने अभियुक्त विक्रम, पुजारी व ओमप्रकाश को साधारण एवं गम्भीर रूप से मारपीट व जानमाल की धमकी का दोषी करार दिया और धारदार हथियार से उपहति करने के अपराध में दोषमुक्त करते हुए सजा के बिंदु पर सुनवाई करके दोषियों को तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक को चार–चार हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित करते हुए सजा भुगतने के लिए जिला कारागार भेज दिया है।घटना 18 जनवरी 2014 की है जो ढेबरुआ थानाक्षेत्र के ग्राम अहिरौला में दो पक्षों के बीच पानी के बहाव के लिए हुआ था। पंकज पुत्र बालकेश्वर ने पुलिस को तहरीर दिया कि उनके पट्टीदार विक्रम, पुजारी व ओमप्रकाश पुत्रगण द्वारिका के बीचों–बीच सरहद से पूरव तरफ वादी का निजी जमीन में अवैध रूप से खड़ंजा लगा दिया है। नये खड़ंजे से दक्षिण उनकी खुद की जमीन लगभग आधा फुट नीचा है। खडंजा ऊंचा होने के वजह से बरसात का पानी जमा रहता है। अवैध खड़जे से पूरब तरफ से जमा पानी का निकासी हमलोग अपनी जमीन से कर रहा था। विक्रम, पुजारी य ओमप्रकाश आदि लोग मेरे निजी जमीन से पानी निकासी को लेकर मारपीट करना शुरू कर दिये जिससे घायल हुए हरिकेश बहादुर पुत्र बालकेश्वर व पंकज पुत्र बालकेश्वर आदि लोगों को गम्भीर रूप से चोट आई तथा माँ–बहन की गाली व जान–माल की धमकी दिये। घटना 18 जनवरी 2014 को समय करीब एक बजे की है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विवेचना किया और अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। न्यायालय ने घटना का संज्ञान लेकर विचारण प्रारम्भ किया। विचारण की समाप्ति पर दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद विचारण के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों, चिकित्सा परीक्षण रिपोर्ट, अन्य आवश्यक प्रपत्रों का अवलोकन करके न्यायालय ने अभियुक्त विक्रम, पुजारी व ओमप्रकाश को साधारण एवं गम्भीर रूप से मारपीट व जानमाल की धमकी का दोषी करार दिया और धारदार हथियार से उपहति करने के अपराध में दोषमुक्त करते हुए सजा के बिंदु पर सुनवाई करके दोषियों को तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक को चार–चार हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित करते हुए सजा भुगतने के लिए जिला कारागार भेज दिया है। राज्य सरकार की तरफ से पीड़ित पक्ष की पैरवी जिला शासकीय अधिवक्ता अखिलेश नारायण श्रीवास्तव ने किया।

सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस में 62 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत, 05 का मौके पर ही निस्तारण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। षनिवार को बांसी में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस आयोजन के अवसर पर गरीब/असहाय ग्रामीण व्यक्तियों के समस्याओं का त्वरित निस्तारण तहसील दिवस के माध्यम से किया जाता हैं। तहसील बांसी में जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल आनन्द की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मा विधायक बांसी जय प्रताप सिंह भी उपस्थित थे। तहसील बांसी में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी श्री संजीव रंजन एवं उपजिलाधिकारी बांसी प्रमोद कुमार द्वारा किया गया तथा पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल द्वारा किया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा तहसील समाधान दिवस रजिस्टर को देखा गया। जिलाधिकारी श्री संजीव रंजन ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस बांसी में उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गरीबों, असहायों को उचित एवं त्वरित न्याय दिलाये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। किसी भी पीड़ित व्यक्ति को उचित न्याय दिलाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। आईजीआरएस द्वारा प्राप्त शिकायतो का समय से निस्तारण कराये।सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 62 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व–27, पुलिस विभाग से सम्बन्धित–06, विकास–14, लोक निर्माण विभाग–02, विद्युत–04, चकबन्दी–01, नगर पालिका–01, सिंचाई–01, शिक्षा–02, समाज कल्याण–01, स्वास्थ्य–03 प्रकरण प्रस्तुत हुए। जिसमें राजस्व–02, विकास–01, नगर पालिका–01, समाज कल्याण–01 प्रार्थना–पत्र को जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा मौके पर ही निस्तारित करा दिया गया। तहसील दिवस में अवशेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत–प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 वी0के0अग्रवाल, जिला पूर्ति अधिकारी,जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 राहुल गुप्ता, जिला दिव्यांगजन सश्क्तीकरण अधिकारी तहसीलदार तहसील बांसी क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ज़िला कृषि अधिकारी ने उर्वरक दुकानों पर किया छापेमारी,हुई बड़ी कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिले के उर्वरक विक्रेताओं की मनमानी से खाद की किल्लत को देखते हुए ज़िला .षि अधिकारी मुहम्मद मुजम्मिल के द्वारा उर्वरक दुकानों पर अनियमितता पाए जानें पर कार्यवाही किया जा रहा हैं। ज़िला .षि अधिकारी ने बताया कि जनपद में .षकों को निर्धारित दर पर गुणवत्तायुक्त यूरिया सुचारू रुप से प्राप्त करने हेतु जगह जगह लगातार छापेमारी की कार्यवाही की जा रही हैं।जिसमें उर्वरकों के बिक्री , कालाबाजारी, अवैध भंडारण को रोकने,अधिक दरों पर बिक्री पर रोक एवं गुणवत्त की जांच करने हेतु निरीक्षण किया। ज़िला .षि अधिकारी के छापेमारी के दौरान 51 नमूना जांच के लिए लिया गया जिसमें 13 उर्वरक दुकानों के विरूद्ध नोटिस भी ज़ारी किया गया। छापेमारी के दौरान 2 उर्वरक दुकान का लाइसेंस भी निलंबित कर कार्यवाही किया गया।उन्होनें कहा कि जनपद में छापेमारी की कार्यवाही लगातार चलती रहेंगी उर्वरकों का दर, पीओएस मशीन की क्रियाशीलता की जांच लगातार किया जा रहा हैं,साथ ही कहा कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता हैं व सत्यापन के बाद कई दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर दिया गया हैं।इस कार्रवाई से जिले के उर्वरक विक्रेताओं में खलबली मची हुईं है।ज़िला .षि अधिकारी ने किसानों से अपील किया है कि पीओएस मशीन में अंगूठा लगाने के उपरांत प्राप्त पर्ची के अनुसार निर्धारित मूल्य पर उर्वरकों की खरीदारी करें।उर्वरकों की खरीदारी में किसी प्रकार की समस्या आती हैं तो स्थापित कंट्रोल रूम के 9935260276,7704828329 संपर्क नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज़ करा सकते हैं।

आधार को पैन से लिंक करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर।आधार को पैन से लिंक कराने पर आम जनता को 1000 रुपए जुर्माना देना पड़ रहा है।जिससे ग्रामीण तथा कम पढ़े लिखे लोग बहुत परेशान हो रहे है।क्षेत्र की अर्चना पाण्डेय ने बताया कि जानकारी के अभाव में हम आधार को पैन से लिंक नही करा पाए।जिससे बैंक का कार्य प्रभावित हो रहा था।लिंक कराने पर इनकम टैक्स विभाग ने 1000 रुपए जुर्माना देना पड़ा।तब जाकर आधार पैन के साथ लिंक हुआ।मालूम हो कि दोआबा क्षेत्र के लोग सड़क ,बिजली,पानी आदि समस्याओं से जूझते है।प्रति वर्ष बाढ़ से बिजली व्यवस्था ध्वस्त रहती है।इससे यहां सूचनाओं का आदान प्रदान बहुत मुश्किल रहता है। कछार के राम सबद,तौलन ,राम सेवक ,बाबूराम,अरुणेश,आदि लोगो का कहना है कि गांव,देहात के अधिकांश लोगो का भी आधार पैन लिंक नही हो सका है।प्रशासन गांव गांव कैंप लगा कर आधार को पैन से लिंक करना चाहिए।

शिक्षा चौपाल में बीईओ ने विभागीय योजनाओं की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। निपुण भारत मिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने व जन समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार द्वारा शनिवार को प्राथमिक विद्यालय मदनपुर में शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। बीईओ ने बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़ी शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष के अंत तक विद्यालयों को निपुण बनाना है। डीबीटी की धनराशि अभिभावकों के खाता में पहुंच गई हैं। बीईओ ने अभिभावकों का आह्वान किया कि वे इस धनराशि का सदुपयोग करें और बच्चों को समय से गणवेश,जूता ,मोजा, बैग और स्टेशनरी खरीदकर प्रतिदिन स्कूल भेजें। बीईओ ने मिशन कायाकल्प योजना के अंतर्गत विद्यालयों को 19 मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना, डीबीटी कार्यक्रम, बच्चों के अधिगम स्तर को बढ़ाने हेतु निपुण भारत मिशन अभियान, गणित, विज्ञान किट आदि के बारे में बताया। साथ ही अभिभावकों को कक्षा पांच में अध्ययनरत बच्चों को नवोदय विद्यालय आवेदन फार्म भरवाने तथा जूनियर स्तर के बच्चों को एकी.त आय छात्रवृत्ति योजना में आवेदन व तैयारी के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की छात्राओं सौम्या , संध्या , मोनिका ,माया व निशा ने एकांकी के माध्यम से शिक्षा के महत्व को बताया।

चौपाल में प्रधानाध्यापक रंजना वर्मा , शिक्षिका स्वास्तिका मिश्रा ,गरिमा व सुधा ,एसएमसी अध्यक्ष संजय यादव ,दुखना देवी ,अनसुइया देवी ,बलिकरन ,चंद्रप्रकाश ,अर्जुन , उर्मिला ,सुनीता ,मीना आदि अभिभावक उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

उसके जीवन में इतने दोस्तों के बाद भी वह अपनी पीड़ा कहने से डरता था! इसी डर पर बात होनी चाहिए। क्यों आकाशदीप जैसे युवा जिन्हें बुलंदियों पर पहुंचना होता है, वह अंधकार में डूब जाते हैं। जहां सोशल मीडिया में आकाशदीप की आत्महत्या चर्चा का विषय बनी हुई है, तो उसी समय एक और युवक ने आत्महत्या कर ली है। उत्तर प्रदेश के संभल...

आत्महत्या करते पुरुष, लेकिन चिंता किसी को नहीं?

हाल ही में दो पुरुषों ने आत्महत्या की। दोनों ही युवा और दोनों ही ऊर्जा से भरपूर थे। दोनों ही अपने परिवार की आंखों का तारा रहे होंगे, परन्तु दोनों ही अब इस दुनिया में नहीं हैं। यह भी दुखद है कि इन बातों पर चर्चा होगी, आंसू बहाए जाएंगे परन्तु कदम क्या उठाए जाएंगे, इस पर चर्चा नहीं है। कैसे हमारे बेटे और भाइयों की आत्महत्या रुकेगी, यह किसी को नहीं पता है। पहले बात आजतक डिजिटल में काम कर रहे आकाशदीप की, जिनकी आत्महत्या इन दिनों चर्चा में है। चूंकि वह जिस क्षेत्र में कार्य कर रहे थे वह चमक दमक से भरा है, कथित समस्याओं की लड़ाई से लड़ने के लिए बना है, तो उनका परिचय एवं कार्य का क्षेत्र बहुत बड़ा है, व्यापक है, उनका परिचय व्यापक है, तो इसलिए उनकी आत्महत्या बहुत ही हैरान करने वाली है। इसलिए क्योंकि मीडिया को ऐसा वर्ग बताया जाता है, जिसमें समस्याओं से लड़कर उसका समाधान खोजने की और व्यवस्था से भिड जाने की प्रवृत्ति होती है। गलत को गलत कहने का साहस होता है और व्यवस्था से प्रश्न करने की हिम्मत! ऐसे में एक बड़े प्लेटफोर्म के आकाशदीप द्वारा यह कदम उठाया जाना बहुत हैरान करता है। हालांकि इस विषय में पुलिस का कहना यही है कि यह एक आत्महत्या का मामला है। दोनों में अनबन थी, आपस में झगड़ा हुआ और यह कदम उठा लिया गया। पुरुष आयोग में जब हम तमाम पुरुषों की कहानियां सुनते हैं, तो जी घबरा जाता है। मगर उन्हें उठाना हमारा काम है। इस सिलसिले में भी जब एसएचओ से बात हुई तो उनका कहना यही था कि यह आत्महत्या का ही मामला है। यदि यह आत्महत्या है तो दोषी कौन है? आत्महत्या कोई अपने आप नहीं करता, उसके पीछे कई कारण होते हैं। ऐसे कारण जिनमें व्यक्ति इस सीमा तक निराश और हताश हो जाए कि जीवन ही समाप्त कर ले। वह फंदा तो अपने आप डालता है, मगर उसके पीछे हाथ किसी और का होता है। इसमें भी कथित रूप से पत्नी के साथ हुआ झगड़ा ही वजह बताया जा रहा है। परन्तु कोई भी झगड़ा इतना बड़ा कैसे हो सकता है कि व्यक्ति स्वयं को समाप्त ही कर ले? जब मैंने आकाश के घरवालों से बात की, जो एफआईआर दर्ज कराने के लिए दिल्ली आए हुए थे, तो उनका कहना था कि जिस दिन उसने आत्महत्या की उससे कुछ देर पहले ही वह परेशान लग रहा था। उसने अपने पिता को फोन करके कहा था कि वह दिल्ली आ जाएं, अब सहा नहीं जा रहा। समस्या इसी सहने की है। आजकल युवक सह क्यों नहीं पाते? या फिर उन्हें यह लगता है कि उनकी बात को सुना और समझा नहीं जाएगा या फिर कानूनी और सामाजिक दायरा उनकी समस्याओं के प्रति ही निरपेक्ष हो गया है? आखिर कारण क्या है? वह कारण बताने से डरता है क्योंकि उसे यह डर है कोई उसे समझेगा नहीं? यही पीड़ा बार बार आकाशदीप की बातों से उभरकर आती थी। किसी की पोस्ट पर लिखा गया उनका कमेन्ट यह बहुत चर्चा में है कि 'कई पुरुष भेई हैं, जो अपनी तकलीफ बता तक नहीं पा रहे हैं। कोई उनके लिए एक पोस्ट तो छोडिये, लाइन तक नहीं लिख रहा, बात नहीं कर रहा!' यह जो बात न करने वाली पीड़ा है, उस पर बात करनी है। क्योंकि बात न करने से हमारे बेटे एक ऐसे अंधकार में जा रहे हैं, जहां से दरअसल वापसी का कोई रास्ता रह नहीं जाता। आकाशदीप मुखर थे, इसलिए किसी न किसी बहाने से अपनी पीड़ा लिखते थे। एक उनकी पोस्ट भी है जिसमें उन्होंने अपने मन की बात कही है। आकाशदीप ने उस पोस्ट में लिखा है कि 'कई बार कुछ घाव बाहर की तरफ से नहीं खुलते, उनके धागे अंदर से टूट जाते हैं। घाव अंदर की तरफ खुल जाते हैं। जिसका शायद कोई इलाज नहीं। एक ऊँची इमारत के सबसे ऊँचे कमरे में रहते हुए मैंने खिड़कियों पर मजबूत जाल लगवा दिए थे। जो भी कोई देखता तो वो यही कहता कि बीसवीं मंजिल पर बाहर से आपकी खिड़की से कौन ही आएगा।'

घर के परदों से बदलें अपना भाग्य

परदा लाल हो, काला हो, नीला हो, पीला हो, या सफेद हो, आपको फर्क नहीं पड़ता है न! किंतु वास्तु शास्त्र के मुताबिक परदे न लगे हों तो आपको दिक्कत हो सकती है। परदा घरौंदों की ताकत होती होती है। वह उसके संपन्नता की भी ताकत है। परदा सिर्फ आपको महफूज ही नहीं करता बल्कि आपके तकदीर को भी बदल सकता है। हम अपने घर या कार्यालय के लिए परदे और फर्नीचर जैसा सामान अपनी पसंद से खरीद सकते हैं। परदों को जहां लगाना है पहले उस स्थान को ध्यान से देख लेना चाहिए । उस स्थान के अनुसार परदों का रंग और डिजाइन भी चुन लेना चाहिए। परदे दोपदरी होने चाहिए। पश्चिम दिशा के कमरे में सफेद रंग के परदों को लगाना चाहिए क्योंकि धातु इस क्षेत्र का मूल तत्व है। इसी भांति जल उत्तर दिशा का मूल तत्व है। इसी तरह जल उत्तर दिशा का मूल तत्व है, इसलिए इस दिशा में नीले रंग के परदे लगाने चाहिए। दक्षिण दिशा में अग्नि तत्व होने के कारण त्रिकोन की नक्षी वाले लाल रंग के परदे लगाने चाहिये। पूर्व दिशा का मूल तत्व काष्ठ होने के कारण इस दिशा में हरे रंग के आयनी.ती नक्षी वाले परदे लगाने चाहिए। कहते हैं कि परदा हमें ढकता है। वह हमें महफूज रखता है। जिससे हम सुरक्षित रहते हैं वह हमारे भाग्य को भी बदल सकता है।

लेखक विनय कांत मिश्र/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

ट्रंप टोली बतौर क्रिमिनल गैंग कटघरे में!

मुस्लिम ब्रदरहुड का पुराना इतिहास है। संगठन 1928 में ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुकाबला करने और शरिया के जरिये समाज के इस्लामीकरण के मकसद से बना था। यह अरब क्षेत्र का सबसे प्रभावी इस्लामिक संगठन बना। उसे दबाने के कई प्रयासों के बाद भी वह अरब क्षेत्र में प्रभावी बना रहा। उसने कई शांतिपूर्ण राजनैतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। साथ ही उसके कुछ नेता, पश्चिमी संस्कृति...

श्रुति व्यास

फैनी विलिस अमेरिका की नई चर्चित शख्शियत है। फैनी महिला हैं और उनके कारण पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राहों में खूब कांटे हैं।सभी मान रहे है कि ट्रंप पर उनका तैयार चौथा अभियोग अब तक का सबसे गंभीर है। फुल्टन काउंटी की जिला एटार्नी फैनी विलिस द्वारा आरोपित यह अभियोग, ट्रंप और 18 अन्य व्यक्तियों पर ध् ाोखाधड़ी की साजिश है। जिन लोगों पर आरोप लगे हैं उनमें से कुछ नाम ऐसे हैं जिनसे हम ट्रंप के कार्यकाल में परिचित हुए जैसे रूडी जुलियानी, सिडनी पावेल और मार्क मेडोज। अन्य लोगों में वे लोग शामिल हैं जो जॉर्जिया में चुनाव के बाद हुए हेराफेरी के प्रयासों के प्रमुख किरदार थे। विलिस ने 19 लोगों पर 41 आरोप लगाए हैं। महत्वपूर्ण यह है कि ये आरोप जार्जिया के ठगी, धोखाधड़ी और भ्रष्ट संगठन कानून (आरआईसीओ) के अंतर्गत हैं। विलिस अपने 20 साल के कानूनी करियर में पहले भी कई लोगों के खिलाफ ठगी के अभियोग जारी कर चुकी हैं जिनमें अटलांटा के हिप–हाप समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल हैं। यह इस अभियोजक का पसंदीदा कानून है।श्मैं आरआईसीओ की फैन हूं,ष उन्होंने एक बार एक पत्रकार वार्ता के दौरान कहा था। आरआईसीओ में एक साथ बड़ी संख्या में लोगों को आरोपी बनाना संभव है। उन सब पर जो एक साथ मिलकर किसी लक्ष्य को हासिल करने की साजिश करते होते है भले ही सभी व्यक्ति इसके सभी अपराधों में लिप्त न हों। करीब 98 पृष्ठों का अभियोगपत्र ट्रंप के अमरीकी लोकतंत्र पर हमले का अपेक्षाकृत विस्तृत विवरण देता है। ट्रंप, अन्य 18–सह आरोपियों और 30 उन व्यक्तियों (जिन्हें आरोपी नहीं बनाया गया है) पर इल्जाम लगाया गया है कि उन्होंने श्एक आपराधिक संगठन बनाया जिसके सदस्यों एवं सहयोगियों ने कई आपस में जुड़ी आपराधिक गतिविधियां कीं जिनमें शामिल हैं झूठे लिखित एवं मौखिक

बयान देना, सरकारी अधिकारी का रूप धरना, जालसाजी, झूठे दस्तावेज तैयार करना, गवाहों पर दबाव डालना, कम्प्यूटरों से चोरी, कम्प्यूटर सिस्टम्स में अनाधिकार प्रवेश, कम्प्यूटरों संबंधी गोपनीयता का उल्लंघन, राज्य के साथ धोखाधड़ी की साजिश रचना, चोरी एवं और झूठी गवाही देना। मोटे तौर पर फैनी विलिस ने ट्रंप और उनके सहयोगियों पर एक क्रिमिनल गैंग की तरह कार्य करने का आरोप लगाया है।ध्यान रहे दो हफ्ते पहले फेडरल जस्टिस डिपार्टमेंट के अभियोजक जेक स्मिथ ने ट्रंप पर ओवल आफिस पर दुबारा कब्जा करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। उसमेंउन्होने पूर्व राष्ट्रपति के जार्जिया समेत अन्य राज्यों में की गई कारगुजारियों का विवरण भी दिया था। यह नया अभियोग पिछले पांच महीनों में ट्रंप पर लगाया गया चौथा अभियोग है। इसके साथ ही ट्रंप पर लगाये गए कुल आपराधिक आरोपों की संख्या 91 हो गयी है। जहां तक फैनी विलिस का सवाल हैं वे एक डेमोक्रेट हैं और अपने कार्यकाल में 12,000 से अधिक अभियोग लगा चुकी हैं। अपने अतिउत्साह के कारण दक्षिणपंथियों और वामपंथियों दोनों को वे काफी डरावनी लगतीं हैं। कई प्रगतिशील, जो अब उम्मीद कर रहे हैं कि वे ट्रंप पर फंदा कसेंगीं, पहले अभियोजक के रूप में उनके अतिउत्साही रवैये के आलोचक रहे हैं। ट्रंप के चुनाव प्रचारक उन्हें एक श्विक्षिप्त पक्षपातीय बताते हुए दावा करते हैं कि उन्होंने अपनी जांच में जानबूझकर कर देरी की ताकि राष्ट्रपति पद की दौड़ में ट्रंप के लिए श्अधिकतम बाधाय खड़ी की जा सके। विलिस को उम्मीद है कि यह मुकदमा छरूह माह के अंदर शुरू हो जाएगा हालांकि उनका इतिहास मुकदमा जल्दी निपटाने का नहीं है। आरआईसीओ कानून के अंतर्गत उनके द्वारा चलाए गए पिछले मुकदमे जार्जिया के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले मामले थे। जहां तक ट्रंप का सवाल है, संभवतरू वे चाहेंगे कि मामला लंबा खिचे। यह अनुमान है कि वे अपील करेंगे ताकि मामला संघीय न्यायालय में चला जाए जहां उन्हें कुछ हद तक अधिक सहानुभूतिपूर्ण रवैये वाली जूरी मिलने की उम्मीद है, जैसा उन्होंने मुंह बंद रखने के लिए पैसे देने वाले एक अलग मामले में किया था। ऐसा माना जा रहा है कि जार्जिया वाला मामला टेलिविजन पर प्रसारित होने वाला इकलौता मुकदमा होगा। यह अभियोजन लोकतंत्र के लिए एक अच्छी खबर है और इससे सभी को एक बार फिर यह अहसास होगा कि अमेरिकी संघीय व्यवस्था क्यों महान है।समय भले ही लग रहा हो परन्तु अमेरिका की व्यवस्था उस व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही कर रही है को प्रजातंत्र के रक्षक की बजाय उसका भक्षक बना था।

क्या कल्पना भी संभव है जो ब्रिटेन की संसद में प्रधानमंत्री ;षि सुनक और विरोधी लेबर नेता आपस में ब्रिटेन के नाम को लेकर या ब्रिटेन के पिछले प्रधानमंत्रियों, पिछली सरकारों को ले कर वैसी गालीगलौज और तेंवर दिखाए जो हालिया संसध्द में नरेंद्र मोदी के मुंह से सुनने को मिली या राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी पर जो कहा। सो मौजूदा वक्त इंडिया उर्फ भारत के अर्थों का गडबडझाला है। दुनिया ...

इंडिया होना क्या?

हरिशंकर व्यास

सचमुच क्या है भारत उर्फ इंडिया? वह सारतत्ववह मूल, वे वैल्यूज क्या है जो श्इंडियाय सुनते दिमाग में झकृंत होते है? इस स्वतंत्रता दिवस पर श्इंडियाय अर्थअंहम है। याद करें हालिया संसद सत्र में श्इंडियायश्भारतय, भारतमाता पर क्या कुछ कहा और बोला गया! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया का नया उच्चारण, नई व्याख्या दी, शब्द के टुकड़े किए। इसलिए क्योंकि विपक्ष श्इंडियाय के अक्षर पर जुमले बनाश्इंडियाय को हाईजेक किए हुए है। इसकी प्रतिक्रिया में अब लग रहा है किअपनी इंडिया केंद्रीत जुमलेबाजी छोड़ कर प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा जुबां परश्भारतय ले आए है। सोचे इंडिया बनाम भारत के प्रोपेगेंडा, नैरेटिव के इंडिया अर्थ के कितने अनर्थ होते हुए है। एक तरफ भारत नाम से सीमाबद्ध हम 140 करोड लोग तो वही दूसरी तरफ उसके नेताओं में भारत या इंडिया को अलग–अलग, नए–नए अर्थदेने और अपने को इंडिया की आत्मा के सच्चे प्रतिनिधिबतलानेका संग्राम बनाए हुए!

क्या है इंडिया की आत्मा? और उस आत्मा के प्रतिनिधी, पोषक, रक्षक क्या नरेंद्र मोदी है या राहुल गांधी? श्इंडियाय क्या महज एक शब्द है जो उसे तोडमरोड कर कोई देशभक्त या देशभंजक बनता है? जाहिर है हाल के वर्षों में इंडिया शब्द का उपयोग या दुरूपयोग जितना और जैसा हुआ है वैसा आजाद भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। राष्ट्रवाद, राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रसुरक्षा के हुंकारों से क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छप्पन इंची छाती है, हिंदू वोटों की भक्ति है और लोगों में असुरक्षा की भयाकुलता का क्रिएशन है तो दुनिया भले श्इंडियाय को पारंपरिक अर्थ में लेती है लेकिन हम 140 करोड़ लोग श्इंडियायके अर्थ और भाव में अब न केवल भिन्नताए–मतभेद लिए है बल्कि इंडिया नाम पर तमाम तरह की उग्रताए भी। तभी श्इंडियायऔर उसके अर्थ अब वे नहीं है जो 15 अगस्त 1947 से पहले या बाद में था। अपनी जगह तथ्य और सत्य है कि इंडिया का एक वैश्विक कालजयी अर्थ है। इंडिया मतलब सांप संपेरों का, अंधविश्वासों का देश। इंडिया मतलब दुनिया की प्राचीन सभ्यता, विशाल और बड़ी आबादी वाला कानिर्धनतम देश। आजादी के वक्त इंडिया की आबादी कोई 30 करोड थी। अब 140 करोड है तथा हमनेचीन को पछाड़ दिया है तो स्वभाविक जो सर्वाधिक आबादी का भी देश मतलब इंडिया। जबकि 140 करोड की इस आबादी को लेकर सरकार के मंत्री भी संसद में यह सत्य बताते होते है कि प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी से 60 करोड गरीब लोगों का पेट भर रहा है। हालांकि रियलिटी में आज का इंडिया फ्री के राशन–पानी–खैरात के सहारे जीने वाले100 करोड लोगों के लिए हुए है। तो देश में भले श्इंडियाय मतलब दुनिया की तीसरी बड़ी होती इकॉनोमी हो लेकिन वैश्विक परसेप्शन वही है जो 1947 से पहले था। दुनिया की सर्वाधिक निर्धनतम आबादी वाला देश। इंडिया मतलब गरीबी, बदहाली, अव्यवस्था और समस्याओं का देश। इस अर्थ को देश में या तो शाईनिंग इंडिया के वक्त पूरी तरह नकारा गया था या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मौजूदा अमृत काल ने नकारा हुआ है। इसलिए तय माने कि हाल में जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेइंडिया को 21 वीं सदी का पर्याय बताया वैसे ही 15 अगस्त 2023 को लाल किले के भाषण में भी भारत का अर्थ सबको पछाडने वाला बतलाते हुए होंगे।

एक लबोलुआब यहभी कि राष्ट्रवाद के भभकों में, उसकी उग्रताओं में इंडिया का अर्थ वैसे ही बदला है जैसे मर्यादापुरूष रामजी का बदला है या साधनारत भक्त हनुमानजी का बदला है। सत्ता ने राष्ट्रवाद को रबर की तरह खींच–खींच इंडिया, न्यू इंडिया, भारत या मां भारती जैसे शब्दों से अर्थ का वह अनर्थबनाया है जिसके कारण अब15 अगस्त 1947 के बाद का कुछ भी नहीं है। तब आजाद भारत का गांधी, सावरकर से लेकर सुभाषचंद्र बोस, जवाहर लाल नेहरू या श्यामाप्रसाद मुकर्जी या डा आबेंडकर ने इंडिया का जो भाव– अर्थ बनाया, जो कल्पनाएं की या सपने देखें वह सब अब नदारत है। हां, विचार की किसी भी धारा का वह इंडिया अब नहीं है जिसके आजादी के बाद संविधान सभा के प्रतिनिध ियों ने अर्थ बनाए थे या विचारा और बहस की थी। बहस की उस इमारत के ही सदनों में पिछले सप्ताह राज्यसभा में जगदीप ध ानकड तथा लोकसभा में ओम बिडलाकी अध्यक्षता में भारत के सासंदों ने क्या किया? इंडिया के साथ कैसा अनर्थ था? कल्पना कर तुलना करें सदन के आसन पर बैठे तब के डा राजेंद्र प्रसाद और पीजी मावंलकर बनाम वर्तमान के जगदीप धनकड़ व ओम बिडला के चेहरों पर या प्रधानमंत्री नेहरू व सरदार पटेल बनाम नरेंद्र मोदी,अमित शाह के चेहरों और इनसे फिर टपकते इंडिया अर्थपर! निश्चित ही 15 अगस्त 1947 बनाम 15 अगस्त 2023 में समय का बड़ा फर्क है। लेकिन इससे बड़ी और गंभीर रियलिटी इंडिया के मूल, उसकी वैल्यूज का फर्क है। बुद्धी का फर्क है। 1947 की दरिद्रतम दशा के बावजूद तब इंडिया, इंडिया के लोग, उसका नेतृत्व बुद्धी, विचार और इरादे लिए हुए था। वह संस्कारी था। तब इंडिया नैतिकता, शुचिता और संस्कार लिए हुए था। राजनीति गरिमा, मूल्य और विचार आध ारित थी। न खरीदफरोख्त की मंडी थी और न वैसी तू–तू, मैं–मैं थी जैसी इन दिनों है। वह सब 2023 के मौजूदा इंडिया में छीजा और खत्म है। सन् 2023 का इंडिया नैतिकताविहीन है।नैतिक मूल्यों, भौतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक, सांस्कृतिक प्राप्तियों में वह या तो खोखला है या दिखावे, ढकोसलों में वक्त काटता हुआ है। सोचे श्इंडियाय में मणिपुर के दो समुदाय उसका क्या अर्थ निकालते हुए होंगे? नुंहू, गुरूग्राम में मुसलमान क्या सोचता हुआ होगा तो हिंदू क्या?नरेंद्र मोदी क्या सोचते हुए हैतो राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल क्या सोचते हुए है? वे उद्योगपति, कारोबारी, पेशेवरक्या सोचते हुए है जो साल–दर–साल हजारों–लाखों की संख्या में इंडिया छोड़ विदेश जा रहे है?

ईमानदारी से दिल पर हाथ रख कर सोचे, मणिपुर में हिंदू मैतई हो या कुकी ईसाई इनकेश्भारतय अर्थ में आज क्या है? एक असुरक्षित–अराजक देश। मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में (कश्मीर घाटी, मेवात, बंगाल, पुरानी दिल्ली)रह रहे हिंदुओं का इंडिया और हिंदू बहुल इलाकों में मुस्लिम बस्तियों के जीवन में इंडिया की नब्ज टटोलेंगे तो समझ नहीं आएगा की राष्ट्रवाद धडक कैसा रहा है। ऐसा संकट पाकिस्तान में नहीं है। चीन या जापान आदि किसी भी सभ्य लोकतांत्रिक देश में नहीं है। हर देश अपने नाम के साथ सभ्यतागत संस्कारों की वैल्यजूकी पहचान का व्यवहार लिए मिलेगा।अमेरिका, ब्रिटेन में कितनी ही तरह के नस्लीय झगड़े, धार्मिक अंहकार हो लेकिन श्अमेरिकायऔर उसके मान व अर्थ में पक्ष–विपक्ष, राजनीति व समाज सभी में सम्मान–विरासत–धरोहक की चिंता और आचरण मिलेगा।

विराट कोहली को संन्यास ले लेना चाहिए, शोएब अख्तर के बयान पर सौरव गांगुली ने दिया ये जवाब

भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। भारतीय दिग्गज ने हाल ही में शीर्ष स्तर के क्रिकेट में अपनी 15वीं वर्षगांठ मनाई। कोहली ने भारतीय टीम को कुछ प्रसिद्ध जीतें दिलाई हैं और टीम के अंदर एक मजबूत संस्कृति का निर्माण किया है। हालाँकि, वर्तमान को देखें तो कोहली और उनके फॉर्म पर लोगों की अलग–अलग राय है। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कोहली को एक आश्चर्यजनक सलाह साझा की। हाल ही में एक साक्षात्कार में, रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा कि कोहली को वनडे विश्व कप 2023 के बाद वनडे और टी20ई क्रिकेट से संन्यास ले लेना चाहिए और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए।

सौरव गांगुली की प्रतिक्रिया

इस बीच, पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। गांगुली ने कोलकाता में एक कार्यक्रम में भाग लिया और उनसे अख्तर द्वारा साझा किए गए सुझाव के बारे में पूछा गया। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने जवाब दिया, ष्क्यों? विराट कोहली जो भी क्रिकेट खेलना चाहते हैं उन्हें खेलना चाहिए। क्योंकि वह प्रदर्शन करते हैं।ष कोहली उन वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ियों में से हैं जो भारत की टी20ई प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले रहे हैं क्योंकि 2023 एकदिवसीय विश्व कप वर्ष है। रोहित शर्मा और केएल राहुल की तरह, कोहली ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में 20 ओवर का खेल खेला था। कोहली टूर्नामेंट में अग्रणी रन–स्कोरर थे, जिन्होंने केवल छह पारियों में 296 रन बनाए थे।

शोएब अख्तर ने क्या कहा था

शोएब अख्तर ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें इस विश्व कप के बाद 50 ओवरों के और मैच खेलने चाहिए। इसके अलावा, यदि आप उन्हें टी20 में देखते हैं, तो यह उनसे बहुत कुछ छीन लेता है। मुझे लगता है कि उन्हें कम से कम छह साल और खेलना चाहिए और सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ना चाहिए। कोहली के पास रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता है। उन्हें इस विश्व कप के बाद टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए और इस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहिए।

World Athletics Championship में नीरज चोपड़ा को इस खिलाड़ी से मिल सकती है कड़ी टक्कर

नीरज चोपड़ा ओलंपिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेल से लेकर डायमंड लीग खिताब अपनी झोली में डाल चुके है। हालांकि अब तक नीरज चोपड़ा विश्व चौंपियन नहीं बन सके है। इसी बीच शनिवार यानी 19 अगस्त से बुडापेस्ट में विश्व चौंपियनशिप की शुरुआत होने जा रही है, जिसमें भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पहली बार विश्व विजेता बनने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेंगे।

इससे पहले भी वो इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुके है मगर तब उन्हें अमेरिकी खिलाड़ी यूजीन से हार का सामना करना पड़ा था। मगर इस बार नीरज चोपड़ा कई शानदार उपलब्धियों को हासिल करने के बाद मैदान में उतरेंगे। दोहा और हासिल करने के बाद नीरज के हौंसले बुलंद है। ऐसे में उन्हें इस बार विश्व चौंपियन बनने से रोकना उनके साथी खिलाड़ियों के लिए मुश्किल हो सकता है। माना जा रहा है कि इस लीग को जीतकर एक और सूखा नीरज चोपड़ा खत्म कर लेंगे।

डायमंड लीग जीतने के बाद नीरज चोपड़ा सिर्फ विश्व चौंपियनशिप ही नहीं जीत सके है। इस वर्ष नीरज चोपड़ा ने जिस भी लीग में हिस्सा लिया है वो उस लीग में जीत हासिल करने में सफल हुए है। अब तक विश्व चौंपियनशिप में सिर्फ भारत के दो खिलाड़ी ही मेडल हासिल कर सके है। इसमें ओरेगोन 2022 में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल हासिल किया था। वहीं अंजु ने 20 वर्षों पहले ब्रोंज मेडल जीता था। तमाम सकारात्मक भावनाओं के बावजूद, सीजन में उनके प्रदर्शन से पता चलता है कि अगर नीरज चोपड़ा शुरुआत से आगे नहीं बढ़े, जैसा कि उन्होंने टोक्यो में किया था, तो आगे बढ़ना आसान नहीं होगा।

इन खिलाड़ियों से मिलेगी टक्कर

आंकड़ों के मुताबिक नीरज चोपड़ा इस सीजन की सर्वश्रेष्ठ सूची में तीसरे स्थान पर हैं – उनका 88.67 मीटर, जूलियन वेबर और विश्व नेता चेक जैकब वडलेज (89.51 मीटर) के 88.72 मीटर के ठीक पीछे है। 1993, 95 और 2001 में जीत हासिल करने वाले जान जेलेजनी के पूर्व छात्र, 32 वर्षीय चेक सबसे सुसंगत दिखते हैं और बड़े मंच पर अपनी पिछली गलतियों को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्पित होंगे।

बता दें कि नीरज चोपड़ा अगर इस बार विश्व चौंपियन बनते हैं तो वो शूटर अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चौंपियन बनने वाले देश के दूसरे खिलाड़ी होंगे। भारत का अभियान 3000 मीटर स्टीपलचेज रेस के साथ शुरू होगा, जिसमें अविनाश साबले, लांग जंपर शैली सिंह, त्रिकूद में प्रवीण चित्तरवेल, अब्दुल्ला अबुबाकर, एल्डोस पॉल और 1500 मीटर में अजय कुमार सरोज हिस्सा लेंगे।

जसप्रीत बुमराह की शानदार वापसी से टीम इंडिया को मिली बड़ी राहत, एशिया कप और विश्व कप में दिखेगा दम

जसप्रीत बुमराह ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी की है। स्टार गेंदबाज ने भारत को पहले टी 20 आई में आयरलैंड पर दो रन से करीबी जीत दिलाई। 11 महीने के इंजरी ब्रेक के बाद बुमराह ने पहली बार कोई इंटरनेशनल मैच खेला था। स्टार पेसर ज20ष कप्तानी की शुरुआत में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाले एकमात्र भारतीय बन गए। लेकिन भारत और आयरलैंड के बीच पहले टी20 मैच के बाद जिस बात की लोगों में सबसे ज्यादा खुशी है वह बुमराह की शानदार वापसी है। एशिया कप और विश्व कप को लेकर भारत के लिए यह बड़ी राहत की खबर है।

बुमराह के रन और डिलीवरी स्ट्राइड में कोई बदलाव नहीं हुआ। तेज गेंदबाज ने हमेशा की तरह क्रीज पर जॉगिंग की और अपनी अपरंपरागत गेंदबाजी रिलीज के साथ गेंदें डालीं। बुमराह ने गेंद डालने की गति धीमी शुरू की लेकिन चार ओवर के अपने कोटे में आते ही गेंद की गति में तेजी आ गई। भारतीय स्टार ने मैच की अपनी दूसरी गेंद पर एक विकेट लिया, जो सिर्फ 129 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकी गई थी। हालाँकि, उनके एंगल, सीम और स्विंग ने एंडी बालबर्नी को मात दे दी। इसके बाद बुमराह ने लोर्कन टकर को एक प्रयास में रैंप पर फंसाया, जिससे एक पंख लगा और ओवर में अपना दूसरा विकेट लेने के लिए संजू सैमसन के हाथों में चला गया।

हालांकि, बुमराह 130 के बीच में ही रहे, लेकिन कुछ मौकों पर उन्होंने 140 तक भी पहुंचे। उन्होंने अपने दूसरे ओवर में 141 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और गेंद की गति के साथ अपनी गेंदों का मिश्रण भी किया। कार्यवाहक कप्तान ने अपने तीसरे ओवर में 13 रन दिए, लेकिन चौथे ओवर में वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे, जब आयरलैंड एक मजबूत फिनिश की तलाश में था। बुमराह ने अपनी लेंथ में बदलाव किया और अपने चौथे ओवर में सिर्फ एक रन दिया, जो पारी का दूसरा आखिरी ओवर भी था। यहां तक घ्कि बुमराह ने भी अपना लक्ष्य स्पष्ट कर दिया था कि वह पीछे नहीं हटेंगे और क्रिकेट में अपनी वापसी का आनंद लेंगे। विश्व कप और एशिया कप नजदीक होने के कारण यह मैच टीम को राहत दे सकता है और उम्मीद है कि बुमराह इसी तरह आगे भी जारी रहेंगे।

राष्ट्र की सेवा करने का स्थायी जनादेश नहीं, पहली कैबिनेट बैठक में पीएम कक्कड़ ने कहा

कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने स्वीकार किया

कि अंतरिम व्यवस्था के पास राष्ट्र की सेवा करने के लिए ष्स्थायी जनादेशष नहीं था, लेकिन फिर भी उन्होंने ऐसा करने की कसम खाई। उन्होंने नवगठित अंतरिम मंत्रिमंडल की पहली बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। पीएम कक्कड़ ने 24 सदस्यीय कैबिनेट स्थापित की है जिसमें राजनेता, टीवी कलाकार और एंकर, सेवानिवृत्त नौकरशाह और सैनिक शामिल हैं, और एक कैबिनेट में स्पष्ट रूप से पीएमएल–एन और पीपीपी के उम्मीदवारों का वर्चस्व है। कैबिनेट बैठक को संबोधित करते हुए कक्कड़ ने अंतरिम कैबिनेट की प्रशंसा करते हुए शुरुआत की और कहा कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने पर गर्व है। मुझे उम्मीद है कि सर्वशक्तिमान अल्लाह हमें इस अंतरिम अवधि में इस राष्ट्र का नेतृत्व और संचालन करने में सक्षम बनाएंगे। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि हम यहां निर्धारित समय के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास इस देश की सेवा करने का स्थायी जनादेश नहीं है। पीएम कक्कड़ ने कहा कि कार्यवाहक सेटअप पिछली सरकारों द्वारा की गई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को जारी रखने के लिए नींव रखने का प्रयास करेगा। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से विशेष निवेश सुविधा परिषद (एसआईएफसी) का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी निरंतरता में हम नई पहलों का समर्थन करने का प्रयास करेंगे, जो भी कानून और संविधान हमें करने की अनुमति देते हैं। पीएम कक्कड़ ने परिषद को एक सपना सच होने जैसा करार दिया। उन्होंने कहा कि जब वह बड़े हो रहे थे तो हमेशा कहा जाता था कि पाकिस्तान समृद्ध खनिज संसाधानों वाला एक कृषि प्रधान देश है। बलूचिस्तान से होने के कारण, हमें अपने प्राकृतिक और खनिज संसाधनों पर बहुत गर्व होगा। लेकिन हम कभी नहीं जान पाए कि वे खनिज संसाधन क्या थे।

UK में सात शिशुओं की हत्या करने वाली नर्स को पकड़वाने में भारतीय मूल के चिकित्सक ने की मदद

लंदन। उत्तरी इंगलैंड के एक अस्पताल में कार्यरत भारतीय मूल का एक बाल चिकित्सक उन लोगों में शामिल है जिनकी

मदद से ब्रिटिश अदालत ने शुक्रवार को एक नर्स को सात शिशुओं की हत्या का दोषी ठहराया। चेस्टर के 'काउंटेस ऑफ चेस्टर' अस्पताल के चिकित्सक रवि जयराम ने कहा कि इस पूर्व नर्स के बारे में यदि उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया गया होता और पुलिस को खबर दी गयी होती तो कुछ शिशुओं की जान बचायी जा सकती थी। मैनचेस्टर क्राउन अदालत में जूरी ने नर्स लूसी लेटबी (33) को शुक्रवार को सात नवजात शिशुओं की हत्या करने और छह अन्य शिशुओं की हत्या की कोशिश करने का दोषी पाया। उसे सोमवार को इसी अदालत में सजा सुनायी जाएगी। जयराम ने फैसले के बाद 'आईटीवी न्यूज' से कहा, '' मैं वाकई मानता हूं कि चार या पांच बच्चे , जो आज स्कूल जा रहे होते, (इस दुनिया में) नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि जून, 2015 में तीन शिशुओं की मौत के बाद पहली बार चिकित्सक चिंता प्रकट करने लगे तथा जब और बच्चों की मौत हो गयी तब उनके जैसे कुछ वरिष्ठ चिकित्सकों ने लेटबी के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए अस्पताल के वरिष्ठ कार्यकारियों के साथ कई बैठकें की। आखिरकार, अप्रैल, 2017 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा न्यास (नेशनल हेल्थ सर्विस ट्रस्ट) ने चिकित्सकों को एक पुलिस अधिकारी से मिलने की अनुमति दे दी। डॉ. जयराम ने कहा, ''10 मिनट से भी कम समय तक हमारी बातें सुनने के बाद पुलिस को अहसास हुआ कि यह कुछ ऐसी बात है कि जिसमें उसे भी उतरना चाहिए। ..'' इसके बाद जांच शुरू हुई और लेटबी की गिरफ्तारी हुई। ब्रिटेन की क्राउन प्रोस्यूक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने बताया कि 2015 और 2016 के बीच अस्पताल के नवजात वार्ड में कुल 13 शिशुओं पर गुपचुप तरीके से हमला करने के लिए लेटबी ने कई तरीके अपनाए। सीपीएस के अनुसार लूसी लेटबी (33) ने रक्त प्रवाह में हवा पहुंचाने, 'नैसोगैस्ट्रिक ट्यूब' के माध्यम से उनके पेट में हवा और दूध पहुंचाने समेत विभिन्न तरीकों से इन नवजात शिशुओं को जान–बूझकर नुकसान पहुंचाया। सीपीएस का कहना है कि लेटबी का मकसद शिशुओं की जान लेना होता था, लेकिन वह अपने सहकर्मियों को यह विश्वास दिलाती थी कि मौतें प्राकृतिक रूप से हुई हैं।

एशिया कप देखने पाकिस्तान जाएंगे जय शाह? एसीसी ने भेजा न्यौता

एशिया कप का आयोजन इस वर्ष पाकिस्तान में होने जा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई सचिव और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह को एशिया कप का उद्घाटन मैच देखने के लिए न्यौता भेजा है। एशिया कप का पहला मुकाबला 30 अगस्त को खेला जाएगा। एशिया कप का पहला मुकाबला पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में होना है। पीसीबी ने इस मुकाबले को देखने के लिए सिर्फ जय शाह को ही न्यौता नहीं भेजा है बल्कि एशिया कप में हिस्सा लेने वाली टीमों के अन्य बोर्डों के प्रमुख को भी मैच देखने का निमंत्रण दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि शाह को निमंत्रण भेजा गया है लेकिन उनके पाकिस्तान आने की संभावना काफी कम है। सूत्र ने कहा, ''पीसीबी के अध्यक्ष जाका अशरफ ने आईसीसी की बैठक के दौरान डरबन में जय शाह को मौखिक रूप से निमंत्रण दिया था। बोर्ड ने अब औपचारिक निमंत्रण भेजा है।'' पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक शाह ने पीसीबी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, लेकिन बीसीसीआई सचिव ने इस दावे का खंडन किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा संबंधों से वाकिफ सूत्र ने कहा कि पीसीबी शाह को निमंत्रण देकर यह दिखाना चाहता है कि वह खेल को राजनीति के साथ नहीं जोड़ता है। एशिया कप 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका के स्थलों पर आयोजित किया जाएगा।

इस दिन होगा भारत और पाकिस्तान का मैचः एसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने ही 19 जुलाई को एशिया कप के कार्यक्रम की घोषणा की थी। इस वर्ष 30 अगस्त से टूर्नामेंट शुरू होने वाला है। पाकिस्तान में इस दौरान चार और श्रीलंका में नौ मुकाबले खेले जाने है। भारत इस टूर्नामेंट की शुरुआत दो सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। टूर्नामेंट में भारत पाकिस्तान और नेपाल के साथ ग्रुप ए का हिस्सा है। वहीं बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीमें ग्रुप बी का हिस्सा हैं। दोनों ही टीमों की शीर्ष दो टीमों सुपर 4 राउंड में पहुंचेंगी। सुपर 4 में जीत हासिल करने वाली टीमों को फाइनल खेलने को मिलेगा।

कनाडा के जंगलों में भीषण आग की वजह से हजारों लोगों ने अपना ठिकाना छोड़ा

वैंकुवर। कनाडा के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र की राजधानी से सटे जंगलों में लगी भीषण आग की वजह से 20,000 से अधिक लोगों को वहां से विस्थापित होना पड़ा। वहीं, येलोनाइफ शहर से सैकड़ों किलोमीटर दक्षिण में स्थित ब्रिटिश कोलंबिया की घनी आबादी वाले इलाके में आग तेजी से फैल रही है, जिससे वहां के हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी गई है।

आग की वजह से यहां के कई घर जल गये। उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र के अधिकारियों ने शुक्रवार शाम को कहा कि आग की वजह से पिछले 48 घंटे से कम समय में लगभग 19,000 लोगों ने येलोनाइफ शहर छोड़ दिया है, जिनमें से लगभग 15,000 लोग वाहनों में और 3,800 आपातकालीन उड़ानों में वहां से निकले। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 2,600 लोग अब भी शहर में हैं, जिनमें 1,000 आवश्यक कर्मचारी हैं। क्षेत्र के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री शेन थॉम्पसन ने कहा कि जंगल में लगी आग की स्थिति गंभीर बनी हुई है और वहां पर जो गैर–आपातकालीन कर्मचारी रुके थे वे खुद को और दूसरों को खतरे में डाल रहे थे। उन्होंने कर्मचारियों से कहा, कृपया अब वहां से बाहर निकलें। आग पर काबू पाने के लिये ग्यारह हवाई टैंकर से पानी की बौछार की गई तथा एक अन्य विमान ने आग की लपटों पर अग्निरोधी पदार्थ गिराए। अग्निशमन सूचना अधिकारी माइक वेस्टविक ने कहा, आग पर काबू पाने के लिये यह इस क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा जल अभियान है। वेस्टविक ने कहा, ''एक महीने से भी अधिक समय पहले आकाशीय बिजली गिरने से लगी आग लगभग 1,670 वर्ग किलोमीटर तक फैल गई है और यह जल्दी बुझने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि शुष्क मौसम और घने जंगलों के कारण आग ने तीन अलग–अलग नियंत्रण रेखाओं को पार कर लिया है। अधिकारियों ने कहा कि येलोनाइफ शहर से सैकड़ों किलोमीटर दक्षिण में स्थित ब्रिटिश कोलंबिया के पश्चिमी केलोना की लगभग 38,000 की आबादी वाले शहर में जंगल की आग तेजी से फैल रही है और यह बेकाबू हो गयी है, जिससे वहां के कई घर जल गये। इलाके में तेजी से फैल रही आग के कारण ब्रिटिश कोलंबिया के प्रधानमंत्री डेविड एबी ने आपातकाल की घोषणा कर दी। वेस्ट केलोना अग्निशमन विभाग के प्रमुख जेसन ब्रोलुंड ने कहा कि आग की वजह से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन कुछ बचावकर्मी उन लोगों को बचाते समय फंस गए जो वहां से बाहर निकलने में विफल रहे। प्रांत के आपातकालीन प्रबंधन मंत्री बोविन मा ने शुक्रवार को कहा था कि हम अब भी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

ट्रांसफॉर्मर जला, दो ह्जार की आबादी छह दिन से अंधेरे में

भाटपाररानी। क्षेत्र के बभनौली में लगा 25 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर छह दिन पूर्व जल गया था। शिकायत के बाद भी अब तक इसे बदला नहीं गया है। इससे दो हजार की आबादी अंधेरे में रहने को विवश है। बिजली उपकेंद्र भाटपाररानी के दक्षिणी फीडर से ग्राम बभनौली की बिजली आपूर्ति संचालित की जाती है। यहां लगा ट्रांसफार्मर पिछले छह दिन से जला हुआ है। इससे गांव के घरों व चनुकी बाजार की आबादी अंधेरे में रहने को मजबूर है। उमस भरी गर्मी में लोगों का जीना मुहाल हो गया है। दिन तो लोग किसी तरह काट ले रहे हैं, लेकिन रात में चौन की नींद नहीं सो पा रहे हैं। मोबाइल चार्ज नहीं होने से लोगों का आपस में जुड़ा नेटवर्क टूट रहा है। गांव के इद्रीश, सीताराम खरवार, संजय खरवार, उमेश खरवार, राधेश्याम शर्मा, राजदेव शर्मा, राधेश्याम खरवार, विजेंद्र शर्मा, राजवंशी, अनिल अहमद, हमीद, सुशील पांडेय, महंथ पांडेय, लल्लन पांडेय, वशिष्ठ पांडेय, मदन वर्मा ने बताया कि कई बार उपकेंद्र पर शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। सरकार 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने का निर्देश जारी की है, पर सब हवा–हवाई साबित हो रहा है। एसडीओ कामतानाथ पांडेय ने बताया कि ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कर जल्दी ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी की जांच पूरी, रिपोर्ट का इंतजार

देवरिया। जिले में हो रहे खाद्यान्न घोटाले की जांच पूरी हो गई है। अब बस रिपोर्ट का इंतजार है। अपर आयुक्त खाद्य एवं रसद अटल कुमार राय के नेतृत्व में गठित टीम ने बुध ावार को उसरा व बृहस्पतिवार को रघवापुर गोदाम की जांच की। इसके अलावा अलग–अलग जगहों पर डोर–टू–डोर ले जा रहे खाद्यान्न वाहनों को रोककर राशन की तौल कराई। इस दौरान क्या गड़बड़ी मिली, इसका खुलासा अभी नहीं किया गया है। जांच टीम के अधिकारी दोनों दिन कुशीनगर जिले में निवास किए। वहीं से आकर जांच की प्रक्रिया पूरी करते रहे। जिला पूर्ति विभाग के सूत्रों के अनुसार तो जांच में प्रभारी डीएसओ का टीम ने भरपूर सहयोग लिया। बाटमाप विभाग के निरीक्षक, डिप्टी आरएमओ आदि अधिकारियों को फोन कर इन्हीं लोगों ने बुलाया। जहां जांच के लिए पहुंचना था वहां भी सूचना पहले ही दे दी जा रही थी। अंदरखाने कोटेदार भी जांच प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि जांच रिपोर्ट अभी नहीं आई है। इसके चलते सभी खामोश हैं। बता दें कि 12 अगस्त को अमर उजाला ने पेज नंबर दो पर हर माह हो रहा 26 लाख का खाद्यान्न घोटाला शीर्षक से खबर प्रकाशित किया था। जिसके बाद शासन ने अपर आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग के नेतृत्व में जांच टीम गठित की। टीम जांच पूरी कर वापस लौट गई है।

हत्या के मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। तरकुलवा थानाक्षेत्र के फरेंदहा गांव के एक अध ोड़ की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी बशरुद्दीन को पुलिस ने देवरिया–कसया मार्ग पर खनुआ पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में एक आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। तीन आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। पकड़े गए हत्यारोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थानाक्षेत्र के भेलीपट्टी गांव स्थित एक ईंट–भट्ठे के पास 18 जून को फरेंदहा गांव निवासी उमेश यादव (50) का शव मिला था। इस मामले में मृतक के बेटे पवन कुमार यादव की तहरीर पर पुलिस ने ईंट–भट्ठा मालिक फरेंदहा गांव निवासी हामिद अंसारी, नूरुद्दीन, अदद्दू, बशरुद्दीन व भेलीपट्टी गांव निवासी सुनील निषाद के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बशरुद्दीन को खनुआ पुल के पास से दबोच लिया।

सरहद पर पकड़ी गई अमेरिकी महिला जेल भेजी गईं

महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा सोनौली बॉर्डर से साध वी के वेष में अन्य कुछ साधु संतों के साथ नेपाल जा रही एक विदेशी महिला को आव्रजन विभाग ने गिरफ्तार कर सोनौली पुलिस को सौंप दिया था। पुलिस ने . उसे जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, विदेशी महिला कोलिन पैट्रिक लिंच 35 वर्ष की है। वह मूलतः 15 मिलर स्ट्रीट राहोबोथ एमए यूएसए की रहने वाली है। जिसका पासपोर्ट भारत सरकार ने प्रतिबंध ा किया हुआ है। मार्च महीने में उसे वापस किया गया था, फिर वह चकमा देकर अवैध रास्ते से भारत में प्रवेश कर प्रयागराज एक आश्रम में रहती थी और उसी आश्रम से फर्जी आधार कार्ड बनाकर दिया गया था। जिसके जरिए वह भारत से नेपाल जाने वाली थी। बुधवार देर रात सोनौली पुलिस और आव्रजन विभाग सरहद पर संयुक्त रूप से भारत से नेपाल आने जाने वाले यात्रियों की जांच कर रहे थे। इस दौरान वह पकड़ी गई थी। नौतनवां क्षेत्राधिकारी आभा सिंह ने कहा कि विदेशी महिला से पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

बंदियों की समस्याओं के समाधान का दिया निर्देश

महराजगंज। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कमलेश्वर पांडेय ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। सचिव ने बैरकों में बंदियों से एक–एक कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उसके समाधान के लिए जिला कारागार अधीक्षक को निर्देशित किया। उन्होनें सभी बंदियों से कहा कि जो भी बंदी अपने मुकदमे की पैरवी के लिए अधिवक्ता रखने में असमर्थ हों वह अधीक्षक के माध्यम से अपना प्रार्थना–पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजवा सकते हैं। इस अवसर पर अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर आदित्य कुमार सिंह, डिप्टी जेलर, रंजीत यादव व डिप्टी जेलर रेखा सिंह उपस्थित रहे।

बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया गया

महराजगंज। श्यामदेउरवां क्षेत्र के रामपुर चकिया में स्थित जीएस पब्लिक स्कूल में बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। आरोग्य परिवार संस्था के अध्यक्ष सीताराम यादव ने बताया कि अच्छी शिक्षा के लिए अच्छा स्वास्थ्य होना बहुत ही जरूरी होता है। उन्होंने आई फ्लू, फाइलेरिया, डेंगू इत्यादि बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी दी। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक स्वामीनाथ प्रजापति, प्रधानाचार्य अखिलेश प्रजापति, उप प्रधानाचार्य राममिलन राजभर, सुरेंद्र नाथ शर्मा, दीनानाथ निषाद, शुभकरण भारती, अनिल निषाद,अजीत निषाद आदि मौजूद रहे।

मेन लाइन में फिर ब्रेकडाउन, 350 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप

देवरिया। कसया से आने वाली 33केवीए मेन लाइन में फिर ब्रेकडाउन होने से 350 गांवों की बिजली गुल हो गई। पांच लाख आबादी को एक बार फिर उमस भरी गर्मी में रात गुजारने को मजबूर होना पड़ा। बिजली निगम के कर्मचारी फॉल्ट को ठीक करने के प्रयास में जुटी रही। 33/11 केवीए तरकुलवा बिजली घर की बिजली आपूर्ति कुशीनगर जनपद के कसया पावर हाउस से होती है, जिससे तरकुलवा सबस्टेशन में लगे चार फीडरों से जुड़े 350 गांवों को बिजली सप्लाई दी जाती है। बुध ावार रात दो बजे के करीब मेन सप्लाई में खराबी आ गई थी, जिससे बिजली घर के चारों फीडरों की सप्लाई ठप हो गई थी।

लोगों को उमस भरी गर्मी में पंखा झल कर रात गुजारनी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद बृहस्पतिवार एक बजे दिन में सप्लाई चालू हो सकी। पूरे दिन बिजली की आंख मिचौली चलती रही। रात्रि 7:30 बजे के करीब 33 केवीए बिजली की मेन लाइन में फिर ब्रेकडाउन हो गया। जिससे एक फिर लगातार दूसरे दिन भी 350 गांवों की बत्ती गुल हो गई। आए दिन मेन सप्लाई में फॉल्ट और ब्रेकडाउन से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अवर अभियंता संदीप कुमार ने बताया कि 33केवीए मेन सप्लाई में कही फॉल्ट है, जिसका पता लगाया जा रहा है। फॉल्ट को शीघ्र ठीक करके सप्लाई चालू करा दिया जाएगा।

लाल निशान से 1.09 मीटर ऊपर बह रही सरयू, बढ़ी चिंता

बरहज। सरयू के करवट लेने से नदी के जलस्तर में बढोतरी हुई है। इससे राप्ती भी उफान पर है। पिछले 24 घंटे में नदी थाना घाट पर बने मीटर गेज पर लाल निशान से एक मीटर नौ सेमी ऊपर बह रही है। राप्ती कपरवार के बिनोवापुरी गांव के निकट रुद्रपुर मार्ग, जबकि सरयू परसियां–विशुनपुर देवार के करीब दस मोहल्लों तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है।

पिछले करीब एक सप्ताह से नदी में दोबारा उफान आ गया है। पिछले दिनों जलस्तर में कमी आने पर नदी 67.15 मीटर तक पहुंच गई थी, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन नदी ने दोबारा बढ़त बनाना शुरु कर दिया, जो खतरे के निशान 66.50 से एक मीटर नौ सेमी ऊपर 67.59 मीटर पर बह रही है। जलस्तर में हुई वृद्धि से नदी का पानी नौकाटोला, कटइलवा, मठियां, बेलडॉड़ गांव तक पहुंच गया है। भदिला प्रथम गांव चारों ओर से पानी से घिरा हुआ है। जबकि परसियां देवार के नकिहवां, भरटोला, बिचला टोला, चौधरी टोला, बरमहवां और विशुनपुर देवार के स्कूलहिया, कल्लहिया, चौहान बस्ती, लोहार टोला, बांके टोला, जरलहवा आदि टोलों तक पानी पहुंच गया है। नदी पीडब्लूडी के बांध पर भी दबाव बना रही है। सहायक अभियंता अशोक द्विवेदी ने बताया कि जलस्तर में बढ़त दर्ज की गई थी। शाम पांच बजे से नरमी देखने को मिली है। दो सेमी की कमी आई है।

गाड़ी व नंबर प्लेट पर दिखा रहे जाति की हनक, अब होगी कार्रवाई

महराजगंज। गाड़ी व नंबर प्लेट पर जाति का नाम लिखकर हनक दिखा रहे लोगों पर जल्द ही गाज गिरने वाली है। इस मसले पर मुख्यमंत्री के सख्त रुख के बाद बाइक या अन्य किसी भी वाहन पर जाति लिखने वालों पर कार्रवाई होगी। पकड़े जाने पर परिवहन अधिकारी गाड़ी का चालान करके जुर्माना वसूलेंगे। इस मामले में अपर परिवहन आयुक्त ने एआरटीओ को पत्र भेजा है। अभी हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में विकास कार्य और कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान वाहनों पर जाति सूचक बोर्ड लगाने वालों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। जिले में कुल 3,67,356 सक्रिय वाहन हैं। इनमें करीब 1,30,106 वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाए जा चुके हैं। अभी करीब एक लाख से अधिक वाहन बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगे सड़कों पर दौड़ रहे हैं। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट पर तो कुछ नहीं लिखा जा सकता है, लेकिन हेडलाइट से ऊपर जाति का नाम लिखकर धौंस जमाया जा रहा है। हैरानी की बात है कि जाति लिखने पर कितने लोगों पर जुर्माना लगा है, इसके बारे में जानकारी एआरटीओ कार्यालय में नहीं है। शहर में पड़ताल के दौरान जिला अस्पताल के वाहन स्टैंड में दो बाइक मिली, जिसपर जाति का नाम लिखा गया था। इसके अलावा शहर में अन्य स्थानों पर फर्राटा भरती हुई बाइक और उसके नंबर प्लेट पर जाति का नाम लिखा हुआ देखा गया।

पहली बार 500 और फिर होगा 1500 रुपये जुर्माना

परिवहन विभाग के प्रवर्तन अफसरों के अनुसार, अगर नंबर प्लेट गलत साइज और आड़े तिरछे अंकों में मिली तो उस पर 5 हजार रुपये जुर्माना हो सकता है। जातिसूचक शब्द लिखाने वालों के पकड़े जाने पर धारा 177 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसमें पहली बार में 500 और दोबारा पकड़े जाने पर 1500 रुपये जुर्माना अदा करना पड़ेगा।

महाराष्ट्र के शिक्षक हर्षल प्रभु ने की थी शिकायत

महाराष्ट्र के शिक्षक हर्षल प्रभु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आईजीआरएस पर शिकायत की थी। इसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश में सड़कों पर चल रहे हजारों वाहनों की नंबर प्लेटों पर जाति लिखाने को समाज के लिए खतरा बताया था। पीएमओ ने यह शिकायत यूपी सरकार को भेजी। अपर परिवहन आयुक्त (प्रशासन) ने नंबर प्लेटों पर जाति लिखाने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर प्रवर्तन कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

थाना गोला पर दक्षिणी क्षेत्र के सभी थानों के चौकी प्रभारियों के साथ किया गया मीटिंग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला गोरखपुर।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा

थाना गोला पर दक्षिणी क्षेत्र के सभी थानों के चौकी प्रभारियों के साथ मीटिंग किया गया। जिसमें विशेष रूप से वाहन चोरी, नकबजनी व छिनैती की घटनाओं के संबंध में चर्चा की गई। विगत 1 वर्ष में हुई सभी घटनाओं की समीक्षा करते हुए आने वाले दिनों में घटना की रोकथाम व पूर्व के अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए अपराधियों पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही साथ सभी चौकियों के भवन व उनमें उपयोग आने वाले सभी संसाधनों पर भी चर्चा की गई व नई चौकियों के स्थापना के लिए राजस्व अधिकारियों व स्थानीय जन प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर निर्माण व जीर्णोद्धार करने के भी निर्देश दिए गए। मौके पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी गोरखपुर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

थाने में गिड़गिड़ाया प्रधान, सुलहनामा लिखने के बाद छूटा

महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के परागपुर गांव में दो युवकों पर ट्रैक्टर चढ़ाने के मामले में पुलिस दोनों पक्षों को थाने बुलाई। जहां पर कुछ वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में पंचायत की गई। ग्राम प्रधान कार्रवाई की डर से पीड़ित युवकों के सामने गिड़गिड़ाने लगा। ग्राम प्रधान को गिड़गिड़ाते देख दोनों युवकों ने वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में माफ करते हुए सुलहनामा लिख दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों युवकों और ग्राम प्रधान को छोड़ दिया। शाम को फोटो खींचने से आक्रोशित ग्राम प्रधान ने अपने सहयोगियों के साथ दो युवकों को पहले बेरहमी से पिटाई की। फिर ग्राम प्रधान ने युवकों को ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया। क्षेत्र के खोन्हौली गांव के रहने वाले बैजनाथ पासवान और सुनील गौंड ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि वह न्यूज रिपोर्टिंग का कार्य करते है। जहां पर शाम को परागपुर गांव के कुछ लोगों से सूचना मिली कि सड़क के किनारे हरे सागौन और शीशम के पेड़ को ग्राम प्रध ाान अवैध तरीके से कटवा रहे है। उक्त सूचना के बाद मौके पर पहुंच फोटो और वीडियो बनाने लगे। जहां मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान आक्रोशित होकर उनसे दुर्व्यहार करने लगे। जिसका विरोध करने पर आक्रोशित ग्राम प्रधान अपने सहयोगियों के साथ पहले बेरहमी से पिटाई की। फिर ट्रैक्टर से उन्हें कुचलने का प्रयास किया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्राम प्रधान और दोनों युवकों को थाने लाई। जहां पर पूछताछ करने के बाद दोनों युवकों और ग्राम प्रधान को छोड़ दिया गया। फिर सुबह कार्रवाई के लिए पुलिस दोनों पक्षों को थाने बुलाई। जहां पर कुछ वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में पंचायत की गई। ग्राम प्रधान को घंटों गिड़गिड़ाते देख दोनों युवकों ने वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में माफ करते हुए सुलहनामा लिख दिया।

निचलौल थाना प्रभारी सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि मामले में पीड़ित युवक बैजनाथ पासवान से तहरीर मिली थी। मामले में कार्रवाई के लिए दोनों पक्षों को सुबह बुलाया गया। मगर दोनों पक्ष कुछ वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में बैठक की। जहां पर ग्राम प्रधान के माफी मांगने पर सुलह कर लिया।

एसएसपी ने दक्षिणी क्षेत्र के चौकी प्रभारियों के बैठक कर दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा थाना गोला पर दक्षिणी क्षेत्र के सभी थानों के चौकी प्रभारियों के साथ मीटिंग किया गया । जिसमें विशेष रूप से वाहन चोरी, नकबजनी व छिनैती की घटनाओं के संबंध में चर्चा की गई । विगत 1 वर्ष में हुई सभी घटनाओं की समीक्षा करते हुए आने वाले दिनों में घटना की रोकथाम व पूर्व के अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए अपराधियों पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए । साथ ही साथ सभी चौकियों के भवन व उनमें उपयोग आने वाले सभी संसाधनों पर भी चर्चा की गई व नई चौकियों के स्थापना के लिए राजस्व अधिकारियों व स्थानीय जन प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर निर्माण व जीर्णोद्धार करने के भी निर्देश दिए गए । मौके पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी गोरखपुर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

साहित्यकार एस. सी. त्रिपाठी के असामयिक निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर।आल इंडिया गार्ड्स , एन ई रेलवे मेंस कांग्रेस ,विशिष्ट साहित्यकार एस. सी. त्रिपाठी के ब्राम्हण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. डॉ के.सी. पांडेय,नरमू के महामंत्री मा. के.एल.गुप्ता,उ.प्र. नाट्य एकेडमी के सदस्य व भाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, एन ई रेलवे मेंस कांग्रेस के सह संरक्षक के एन चौबे,व डॉ एस के शुक्ला, मंतोष शुक्ला,रंग मंच के प्रख्यात कलाकार मानवेन्द्र त्रिपाठी ,97 बर्षीय पूर्व सेवा निवृत गार्ड मा. रामबिलास सिंह,व गोरखपुर मुख्यालय के सेवा निवृत तथा कार्यरत गार्ड भारी संख्या में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की शांति और स्व. एस सी त्रिपाठी के परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। तथा अश्रुपूरित नेत्रों से श्रधांजलि अर्पित करते हुए पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण कर भाव भीनी श्रधांजलि दी गई।इस अवसर पर अनिल कुमार ,दयाशंकर चौधरी, नसिमुर्रहमान ,दुर्गेश श्रीवास्तव ,अशोक कुमार,डी के विशवकर्मा, पी के तिवारी,ए के उपाध्याय, नरेन्द्र शर्मा, आर के सिंह, बी बी मल्ल, नजमुद्दीन, ओ पी मिश्रा, हरी राम,एस एन सिंह, वी के सिंह, ए के दुबे, सी बी राम मौर्य, की भूमिका काफी सराहनीय रहा।

कौंसिल द्वारा रेलवे स्टेशन स्थित ए. सी. लाउंज में भूतपूर्व ट्रेन मैनेजर(गार्ड),पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष नरमू व संरक्षक ए. आई. जी. सी. असामयिक निधन पर ए. आई. जी. सी. के जोनल महासचिव शीतल प्रसाद द्वारा शोक एवं श्रधांजलि सभा का आयोजन किया गया ।जिसका कुशल संचालन शिवेंद्र पांडेय ने किया। शोक सभा मे गोरखपुर स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक संजय शर्मा, पूर्व प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक राकेश त्रिपाठी, पूर्व उ.प्र.राज्य मंत्री व

सदर तहसील में आए 58 फरियादी 6 का किया गया निस्तारण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। आज सदर तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर नेहा बंधु की अध्यक्षता में आयोजित किया गया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा बंधु ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को बारी–बारी से सुनकर संबंधित अधिकारियों को ससमय गुणवत्ता युक्त समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया। तहसील दिवस समाधान दिवस की अध्यक्षता आज ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर नेहा बंधु द्वारा किया गया आए हुए फरियादियों की समस्याओं को बारी बारी से सुन कर उनके समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश दिया। सदर तहसील सभागार में आज 58 फरियादी अपनी अपनी समस्या को लेकर आए 6 फरियादियों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया गया बचे हुए फरियादी के बारे में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने अगले समाधान दिवस तक उनके समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया एसडीएम सदर नेहा बंधु ने समस्त अधिकारियों से कहा कीफरियादियों को इधर–उधर ऑफिसों का चक्कर न लगाना पड़े जिसका सभी अधिकारीगण अनुपालन करे आए हुए समस्त फरियादियों की समस्याओं का समयवध तरीके से समस्याओं का निराकरण करे।सदर तहसील में अधिकतर मामले जमीनी व पारिवारिक विवाद के आए हुए थे या विभिन्न न्यायालयों में वाद चल रहा था जमीनी विवाद मामले में संयुक्त टीम गठित कर मौके पर रवाना किया गया जिससे अगले संपूर्ण समाधान दिवस से पूर्व इन सभी समस्याओं का निराकरण किया जा सके। इस दौरन ज्वाइंट मजिस्ट्रेट /एसडीएम सदर नेहा बंधु सदर तहसीलदार विकास कुमार सिंह नायब तहसीलदार अरविंद पांडेय नायब तहसीलदार प्रमोद श्रीवास्तव नायब तहसीलदार देवेंद्र यादव सहित संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

आपदा से निपटने के लिए की बैठक दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। शनिवार को शासन द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार 'जनपद के विभिन्न ग्रामों में जनपद की प्रमुख आकाशीय विद्युत, सर्प दंश, डूबना, आग, बाढ़, भूकंप , शीतलहर, ओला वृष्टि, आधी तूफ़ान ' आदि आपदाओ के विषय वस्तु पर चर्चा करने हेतु 'राहत चौपाल ' लगा कर जागरूक करने के क्रम में 'जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद सोनभद्र के घोरावल तहसील में ग्राम पंचायत रिजुल, कोरट एवं शिल्पी के विभिन्न पुरवों सहित ग्राम पंचायत भवन पर ग्रामवासीयो तथा ग्राम स्तरीय अधिकारी व कर्मचारियों व जनपद में प्रशिक्षित आपदा मित्रों ' के साथ विभिन्न प्रमुख आपदाओं पर 'आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम हेतु राहत चौपाल ' का आयोजन किया गया। राहत चौपाल में 'जिला आपदा विशेषज्ञ पवन शुक्ला द्वारा जनपद की प्रमुख आपदाएं 'अकाशीय विद्युत, सर्पदंश, लू–प्रकोप, डूबना, आग' एवं विभिन्न आपदाओं के प्रति 'क्या करें, क्या ना करें' के विषय वस्तु पर विस्तृत चर्चा कर जानकारी से अवगत कराया गया जिसमें बताया गया कि यदि 'आकाशीय विद्युत के सुचालक वस्तुओं से दूर रहकर , दुधारू पेड़ों के नीचे ना छुप कर , बिजली के खम्बों से दूर रहकर, गोबर आदि जैसे बिजली के सुचालक वस्तुओं से दूरी बनाकर तथा बरसात होने से पूर्व यदि समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुँचकर स्वयं का जान बचा सकते है साथ ही साथ सर्प दंश होने पर ज़हरीले सांपो की पहचान करने व ग़ैर ज़हरीले साँपो की पहचान किस प्रकार की जाए तथा उसके

बचाव हेतु अस्पताल का सहारा लेने हेतु प्रेरित किया गया, ना की किसी झाड़ फूक के चक्कर में पड़ कर प्रभावित व्यक्ति की जान जोखिम में ना डालने हेतु प्रेरित किया गया और सर्प के काटने पर बचाव हेतु किए जाने वाले उपायो पर विस्तृत चर्चा की गई एवं केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किसी भी आपदा में प्रभावितों को 'आपदा राहत मोचन निधि' से राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली 'अनुग्रह सहायता धनराशि का लाभ किस प्रकार प्रभावित के परिवारों को मिल सके उसके नवीनतम मानक के विषय में विस्तृत जानकारी देकर उपस्थित सभी प्रतिभागियों/ ग्रामवासियों को अवगत कराया गया'। श्री शुक्ला द्वारा 'उत्तर प्रदेश शासन एवं अपर ज़िलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के निर्देशन पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ साथ उपस्थित ग्रामवासी को 'मौसम के पूर्वानुमान व आकाशीय विद्युत' के पूर्व की सूचना प्राप्त करने हेतु 'मोबाइल के प्ले स्टोर के माध्यम से दामिनी व सचेत' एप्लीकेशन डाउनलोड कर जानकारी प्राप्त किए जाने के विषय में भी बताया गया। साथ ही साथ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न आपदाओं के प्रति 'जागरूकता बैनर पोस्टर' एवं 'आई ई सी मेटेलियल' आदि लोगों को उपलब्ध करा कर विभिन्न आपदाओं के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। 'जनपद में प्रशिक्षित आपदा मित्रों द्वारा' द्वारा विशेषकर 'आग लगने के कारण एवं उसके बचाव' के तरीके के विषय में जानकारी देते हुए 'प्रयोगात्मक तरीके से गैस सिलेंडर की लगी हुई आग' को बुझाने की विभिन्न तरीकों के विषय में प्रयोगात्मक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया । वहां उपस्थित प्रतिभागियों एवं ग्रामवासी द्वारा स्वयं बचाव के तरीकों का प्रयोग करते हुए जानकारी प्राप्त की गई। आग के विषय में विशेषकर 'घरों में गैस सिलेंडर की आग लग जाने की स्थिति में खुद का बचाव एवं लोगों का बचाव किस प्रकार करें, उसमें महिलाओं की सहभागिता' को सुनिश्चित करते हुए उनको प्रयोगात्मक विधि द्वारा आग से बुझाने के तरीके के विषय में अवगत कराया गया एवं विभिन्न प्रकार के अग्निशमन यंत्र को संचालित करने के तरीके को भी लोगों को अवगत कराया गया। उक्त कार्यक्रम में 'ग्राम के प्रधान बाबुंदर केवट व प्रधान पति गुड्डू यादव एवं ग्राम विकास अधिकारी राम विलास यादव, जनपद के आपदा मित्र ' सुभम् सोनी, राहुल यादव, उज्जवल चौबे, दीपक मोदनवाल, आरिफ़, संदीप मौर्य, आलोक अग्रहरि, सत्यम तिवारी, .ष्ण कुमार, मनोज, दीपक गिरी अमित कुमार राम सागर सहित अन्य ग्राम स्तरीय विभिन्न समिति के सभी सदस्यों सहित ग्रामवासी आदि लोग उपस्थित रहे।

बाबू जगदेव प्रसाद के सहादत दिवस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर सम्पन्न हुई बैठक'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। शनिवार को सिचाई डाक बंगला रावट्र्सगंज में 17

सितम्बर को रामलीला मैदान रावट्र्सगंज में सम्पन्न होने वाले अमर सहीद बाबू जगदेव प्रसाद के सहादत दिवस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बैठक सम्पन्न हुई।बैठक को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि सुमन्त सिंह मौर्य मण्डल प्रभारी वाराणसी ने कहा कि जन अधिकार पार्टी एक आंदोलन का नाम है जो समाज के अंतिम ब्यक्ति के होठों पर मुस्कान देखना चाहती है, बाबू जगदेव प्रसाद की चाहत रही कि देश मे जिस जाती की जितनी संख्या है उसे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संख्या के अनुपात में हिस्सेदारी मिलनी चहिए जिस विचार धारा पर शिर्फ़ जन अधिकार पार्टी चलने का काम कर रही है।जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा कि रावट्र्सगंज के रामलीला मैदान में 17 सितम्बर 2023 को बाबू जगदेव प्रसाद जी का सहादत दिवस मनाया जाएगा जिसको बतौर मुख्य अतिथि जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव सुषमा मौर्य सम्बोधित करेंगी जिसकी तैयारी को लेकर लोगो को क्षेत्रवार जिम्मेदारी सौंपी गई।बैठक में मुख्य रूप से भागीरथी सिंह मौर्य, श्रीपति विश्वकर्मा, रामराज विंद, चन्द्रिका सिंह, लक्ष्मण, नागेश्वर सिंह,आरती, कुसुम, तेजबली चन्द्रवंशी, प्रशांत भारती, अमीन, विनोद कुमार, सुबास कुमार, जय प्रकाश, चन्द्रमा सिंह, मोतीलाल, बृजेश कुमार, सुनील कुमार, रामअवध सहित अनेको लोग मौजूद रहे।बैठक की अध्यक्षता मंगला प्रसाद मौर्य एव संचालन अनुरुद्ध सिंह ने किया।

मोहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर सीओ को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के कस्बा

हल्लौर स्थित इमामबाड़ा हुसैनिया बाबुल में अंजुमन हुसैनिया मातम द्वारा आयोजित सालाना अशरे की मजलिस का शुक्रवार की रात समापन हो गयास समापन अवसर पर बाबुल बाबा कमेटी द्वारा मोहर्रम को शांतिपूर्ण सौहार्द के माहौल में संपन्न कराने के लिए डुमरियागंज के सीओ सुजीत राय को सम्मानित किया गया।समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीओ सुजीत राय ने कहा कि उन्होंने हल्लौर कस्बे की उच्च शिक्षा शोहरत और शांति सौहार्द के बारे में काफी लोगों से सुना थास इसे देखने का मौका उन्हें डुमरियागंज तैनाती के दौरान मोहर्रम के जुलूस के दौरान देखने को मिलीस जुलूस को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने मे यहां के नौजवानों ने पुलिस का पूरा सहयोग कियास जिसे देखकर उन्हें बहुत अच्छा लगास सीओ ने कहा कि मोहर्रम सच्चाई, हक, नेकी के रास्ते पर चलने की सीख देता है सहजरत इमाम हुसैन का बलिदान समस्त मानव जीवन के लिए एक प्रेरणा स्रोत है।इस दौरान भाजपा नेता एवं अंजुमन फरोग मातम के जुलूस इंचार्ज कसीम रिजवी, हुसैनिया बाबुल के मूतवल्ली अकबर मेहंदी, हाशिम रिजवी, असगर अब्बास, प्रिंस अकमल, जहीर शान, सारिक रजा, इक्तादार मेहंदी, अली शादाब, शंम्मू रिजवी, हैदर करबलाई, अली मेहंदी, आरजू, सलमान, खुशनूद आदि भारी संख्या में बाबुल गंज कमेटी के पदाधिकारी और मेंबर मौजूद रहे।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी में एमडी शिखा चतुर्वेदी की अध्यक्षता में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी सम्पन्न

शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्न व प्रयोग करते रहेंगे हमारे शिक्षक– प्रिंसिपल शानू एंटोनी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। शनिवार को राजन इंटरनेशनल एकेडमी में शिक्षक–अभिभावक गोष्ठी का आयोजन कार्यकारी निदेशक संजीव पांडे की अध्यक्षता में किया गया। अभिभावकों ने अपने पाल्यों की शिक्षा के बारे में विद्यालय के शिक्षकों से जानकारी प्राप्त की। उनके सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जाने वाले प्रयासों की सराहना की।एमडी शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि अभिभावकों के सुझाव को अमल में लाएंगे।

उनके द्वारा बच्चों से संबंधित जो भी फीडबैक दिया जाएगा, उस पर हमारी पैनी नजर है। हम विद्यालय की वर्तमान व्यवस्था को आवश्यकतानुसार संशोधित करने के लिए प्रयत्नरत है। गुणवत्ता युक्त शिक्षा के साथ राजन इंटरनेशनल एकेडमी में कोई समझौता नहीं होगा। अभिभावकों को भरोसा दिलाती हूं कि उनके बेटे बेटियों का भविष्य इस विद्यालय में पूर्णतया सुरक्षित है। वे कभी भी आकर अपने बच्चों से संबंधित फीडबैक प्राप्त कर सकते हैं, और सुझाव दे सकते हैं। हम हर जरूरी फीडबैक व सुझाव को अमल में लाने की हर संभव कोशिश करेंगे।अभिवावको ने कहा की बहुत ही आशा के साथ अपने बच्चे का प्रवेश राजन इंटरनेशनल एकेडमी में कराया हूं, जिसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। विद्यालय में पढ़ कर बच्चे में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। बच्चो के व्यक्तित्व में जो परिवर्तन दिख रहा है वह अत्यंत ही सराहनीय है। हम इस बात को लेकर खुश है कि हमारे बच्चों का भविष्य इस विद्यालय में सुरक्षित है।प्रधानाचार्य शानू एंटोनी ने कहा अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि छात्र छात्राओं के गृह कार्य एवं डायरी का अवलोकन अवश्य करें और उसे जिम्मेदारी पूर्वक पूरा कराएं और किसी प्रकार की कठिनाई होने पर कक्षा अध्यापक से संपर्क करें। उन्होंने कहा जितना हो सके बच्चो से मोबाइल जैसी चीजों को दूर रखें, क्योंकि अभिभावक और शिक्षक मिलकर ही बच्चों का भविष्य परिवर्तित कर सकते हैं। जो मेहनत मैंने और मेरे शिक्षकों द्वारा पिछले वर्ष की गई उसका परिणाम देखने को मिल रहा है। और हमारा प्रयास रहेगा कि इस बार हम कुछ और बेहतर करने की कोशिश करते रहेंगे।

भनवापुर में फाल्कन महाराष्ट्र के द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम में हुआ नुक्कड़ नाटक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन

नमामि गंगे तथा ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन के तत्वाधान में चलाए जा रहे जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज शनिवार को विकासखंड भनवापुर में संस्था मेंसर्श फाल्कन महाराष्ट्र के द्वारा जनजगरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नुक्कड़ नाटक स्वच्छता मेला, फिल्म प्रोजेक्टर ,सामाजिक मानचित्र, ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति की बैठक आदि कई तरह के कार्यक्रम किए गए । नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पाइप पेयजल परियोजना के बारे में दूषित पेयजल से होने वाली बीमारियों के बारे में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनाई जा रही टंकी की पानी के लिए कनेक्शन के लिए आदि बातों पर जानकारी दी गई एवं सामाजिक मानचित्रण के माध्यम से खुले में शौच करने से गंदगी हमारे घर तक कैसे आती है इन सब के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश ओझा, खंड विकास अधिकारी धनंजय सिंह, सहायक विकास अधिकारी पंचायत लाले एवं जल जीवन मिशन की टीम से जिला परियोजना समन्वयक तौक़ीर आज़म, सहायक गोविंद सिंह, तरुण त्रिपाठी, अनिल निषाद , प्रशिक्षक प्रवीण कुमार, आशीष पाल, नुक्कड़ नाटक के कलाकार गिरजेश यादव, सलोनी निषाद, रसिया नेमीचंद आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख लवकुश ओझा ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में परिवर्तन लाएंगे और लोग पेयजल और स्वच्छता को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझेंगे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक
श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

यूपी बोर्ड की हाई स्कूल व इंटर की डाटा फीडिग की अंतिम तिथि आज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 में सम्मिलित होने वालें परीक्षार्थियों का डाटा परिषद के वेबसाइट पर अपलोड करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त रविवार की रात्रि 12 बजे तक है ,इसके बाद अपलोड होना संभव नही होगा। कस्बा के किसान इंटर कालेज के प्रधानाचार्य गोपेश्वर चौबे ने बताया कि डाटा अपलोड न होने की दशा में परिषद द्वारा अनुशासनहीनता के कारण दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान है।

उसका नौगढ़ मार्ग अनेक जगह क्षतिग्रस्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय को गोरखपुर से जोड़ने वाली उसका नौगढ़ सड़क इन दिनो आधा दर्जन जगहों पर टूट गई है। इससे आए दिन दुर्घटना में लोग चोटिल हो रहे है। यह सड़क काफी व्यस्त रहती है दिन रात गाड़ियों का आवागमन लगा रहता है। इन दिनो महुआ पेट्रोल पंप के पास, भिटिया रेलवे क्रॉसिंग, मदनपुर, मधवापुर, पकड़ी चौराहा आदि आधा दर्जन जगह पर सड़क टूट गई है। वाहनों को गुजरने में कठिनाई हो रही है। दो पहिया वाहन से चलना काफी जोखिम भरा सफर है। क्षेत्रीय लोगो ने इस सड़क को बनवाने की मांग किया है।

पेड़ की शाखा गिरने से विद्युत आपूर्ति बाधित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर।कस्बा के आजाद नगर वार्ड में शुक्रवार को एक सूखे पीपल के वृक्ष की बड़ी शाखा टूट कर गिरने से विद्युत पोल व तार टूट गया था जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई थी जोकि शनिवार की शाम तक ठीक नही हुआ था। इस कारण इस वार्ड में विद्युत आपूर्ति बाधित है। यहां के नागरिकों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से विद्युत आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

नगर पालिका चौकीदार पर अपमान करने का आरोप

महराजगंज। नगर पालिका परिषद सिसवा बाजार के रोशन कुमार ने कोठीभार पुलिस को शिकायती पत्र देकर नगर पालिका में तैनात चौकीदार पर नागरिकों का अपमान करने का आरोप लगाया है। मामले की जांच करते हुए दोषी चौकीदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। नगर पालिका परिषद सिसवा बाजार के रेलवे स्टेशन रोड निवासी रोशन कुमार ने बताया है कि पिता एवं माता भी निकाय सिसवा में पूर्व सभासद रहे चुके हैं। 17 अगस्त 2023 को सोशल मीडिया पर अपलोड एक वीडियो देखा, जो स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिका कार्यालय सिसवा बाजार में आयोजित समारोह का था। जिसमें नगर पालिका परिषद सिसवा बाजार में तैनात चौकीदार द्वारा नागरिकों के प्रति अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। कोठीभार थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील राय ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद सत्यता के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा।

औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवा का हाल जाना

महराजगंज। नौतनवां विधायक ऋषि त्रिपाठी ने लक्ष्मीपुर सीएचसी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जाना। इस दौरान महिला रोग विशेषज्ञ एवं दंत चिकित्सक की तैनाती के संबंध में मुख्यमंत्री से वार्ता का आश्वासन दिया। नौतनवां विधायक क्षेत्र के दर्जन भर गांवों के भ्रमण के बाद लक्ष्मीपुर सीएचसी पहुंच कर अस्पताल में भर्ती मरीजों व तीमारदारों से व्यवस्था का हाल पूछा व निराकरण के मातहतों को निर्देश दिया। स्वास्थ्य कर्मियों के जर्जर आवास व समुचित प्रकाश व्यवस्था, पेयजल को सुदृढ़ कराने की बात कहीं। मरीज सुशीला, शशिकला, कुसुम, सीता, रामकली ने विधायक से महिला विशेषज्ञ की तैनाती की मांग की गई है। वहीं लक्ष्मन, शंकर , विजय ने वर्षों से खाली चल रहे दंत चिकित्सक की तैनाती की भी मांग की।

सूंघने की क्षमता खोना बड़े खतरे की आहट! इन बीमारियों की शुरुआत के हो सकते हैं संकेत

क्या आपकी सूंघने की कैपिसिटी कमजोर पड़ रही है? अगर आपका जवाब हां है तो वक्त आ गया है कि सतर्क हो लिया जाए. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि सूंघने की क्षमता खोना गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का एक संकेत भी हो सकता है. हाल ही में हुए एक शोध में यह पाया गया है कि अगर किसी व्यक्ति की सूंघने की क्षमता प्रभावित हो रही है तो हो सकता है कि उसे अल्जाइमर और डिमेंशिया की बीमारी हो. सूंघने की कैपिसिटी खोना डिप्रेशन का भी एक संकेत हो सकता है. एक अध्ययन में पाया गया है कि व्यक्ति की सूंघने की कैपिसिटी जितनी ज्यादा खराब होती है, उतनी ही खराब उसकी मेंटल हेल्थ भी होती है. ऐसा नहीं है कि सूंघने की क्षमता कमजोर पडने से डिप्रेशन का खतरा रहता है. लेकिन इतना जरूर है कि ये किसी के डिप्रेशन में होने का संकेत हो सकता है. सूंघने की कैपिसिटी खोना हमारे स्वास्थ्य को कई मायनों में प्रभावित करता है. अगर आप कभी–भी ये लक्षण अपने शरीर में महसूस करें तो बिल्कुल नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से अपनी जांच कराएं. स्मैल करने कैपिसिटी का खोना अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव डिजीज की शुरूआत होने का वार्निंग सिग्नल हो सकता है. एनएचएस कहता है कि पीडिघ्त लोग जितनी जल्दी डॉक्टर से हेल्प लेंगे, उतनी ही जल्दी उन्हें ठीक होने में मदद मिलेगी. ऐसे बहुत से लोग हैं जो डिप्रेशन से जूझ रहे होते हैं, लेकिन डॉक्टर से मदद नहीं लेते. आपको शरीर में किसी भी तरह के असामान्य लक्षण दिखाई दें तो डॉक्टर के पास जाने में बिल्कुल देरी ना करें. क्योंकि देरी करने से आपकी जान खतरे में पड़ सकती है.

साउथ की खूबसूरत हसीना प्रज्ञा ने वनपीस में ढाया कहर, हॉटनेस देख यूजर्स हुए घायल

साउथ एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी खूबसूरती से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी ग्लैमरस अदाएं देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ना सिर्फ साउथ में बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकी हैं। उनकी हर एक अदाओं पर अक्सर फैंस अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस का दिल मचल गया है। हालांकि लोगों का उनके इस लुक से निगाहें हटाना मुश्किल हो गया है। प्रज्ञा जैसवाल ने अपने इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए ग्रीन कलर का वनपीस ड्रेस पहना हुआ है। अभिनेत्री अपनी इन तस्वीरों में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ के पुल बांधते नहीं थकते हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपनी परफेक्ट टोंड लेग्स फ्लॉन्ट करते हुए किलर लुक्स दिए हैं। कानों में इयररिंग्स, ओपन हेयर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है।

अमीषा पटेल ने जाहिर की ऋ तिक रोशन के साथ काम करने की इच्छा

अमीषा पटेल मौजूदा वक्त में अपनी फिल्म गदर 2 की सफलता का आनंद उठा रही हैं।11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म 283.35 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार

कर चुकी है और 300 करोड़ क्लब में शामिल होने में कुछ ही दूर है। इन सब खबरों के बीच अब अमीषा ने दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। इसके साथ उन्होंने ऋ तिक रोशन संग काम करने की इच्छा जाहिर की है। अमीषा और ऋ तिक साल 2000 में आई फिल्म कहो ना प्यार है में साथ काम कर चुके हैं। अमीषा ने कहा, मैं दर्शकों और अपने प्रशंसकों को धन्यवाद कहना चाहती हूं। सभी प्यारे लोगों को शुक्रिया। टिकट लेने के लिए लंबी लाइनों में लगना, कई बार जाना और हमारी फिल्मों को देखना किसी चुनौती से कम नहीं है।उन्होंने आगे कहा, किसी भी फिल्म को हिट कराने में दर्शकों का अहम योगदान होता है। हालांकि, दर्शकों के बाद मैं अपने ईश्वर को शुक्रिया कहूंगी। मैं बहुत खुश हूं। अमीषा ने ऋतिक संग काम करने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे अच्छा लगेगा अगर मुझे ऋ तिक के साथ दोबारा काम करने का अवसर मिलेगा। दर्शकों ने कहो ना प्यार है में हमारी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया था।उन्होंने आगे कहा, हमारी पहली फिल्म एक रोमांटिक–थ्रिलर थी, लेकिन मैं चाहती हूं कि हम दोनों की दूसरी फिल्म कॉमेडी, शानदार संगीत और ढेर सारा डांस से भरपूर हो क्योंकि हम दोनों ही अच्छे डांसर हैं।

सनी देओल की फिल्म ने 7वें दिन भी किया बंपर कलेक्शन, 300 करोड़ से बस इंच भर दूर है गदर 2

सनी देओल की लेटेस्ट रिलीज फिल्म श्गदर 2च ने वाकई इंडियन बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाया हुआ है. फिल्म को दर्शकों से भरपूर प्यार मिल रहा है इसी के साथ श्गदर 2च हर दिन कमाई के नए रिकॉर्ड भी बना रही है. फिल्म अपने ओपनिंग डे से ही शानदार कलेक्शन कर रही और रिलीज के 7 दिन बाद भी ये सिलसिला थमा नहीं है. चलिए यहां जानते हैं श्गदर 2च ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को कितने करोड़ का कलेक्शन किया है? श्गदर 2च ने रिलीज के 7वें दिन कितने करोड़ कमाए? सनी देओल और अमीषा पटेल की श्गदर 2च अपनी रिकॉर्ड तोड़ कमाई और ऑडियंस से मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स के चलते बॉलीवुड को कुछ यादगार पल दे रही है. श्गदर 2च देश भर के सिनेमाघरों में तूफान बनी हुई है और इसने रिलीज के सिर्फ 6 दिनों के भीतर 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई भी कर ली है. वहीं अब फिल्म के रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. श्गदर 2च ने सातवें दिन 23.28 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया है. फिल्म श्गदर 2च की कुल कमाई अब 284.63 करोड़ रुपये हो गई है. श्गदर 2च बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है और ये फिल्म अब 300 करोड़ के क्लब में शामिल होने से इंचभर दूर है. उम्मीद है कि फिल्म इस वीकेंड पर इस आंकड़े को पार कर लेगी और अपने कलेक्शन में कई करोड़ और जोड़ लेगी. बता दें कि श्गदर 2च पहले ही श्पठान्च के बाद साल 2023 की दूसरी सबसे ज्यादा घरेलू कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, शाहरुख खान की पठान ने भारत में 543.05 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी. वहीं गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर हिट द केरल स्टोरी के लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया, जिसने 242.20 करोड़ रुपये कमाए थे.

फिल्म 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

टीवी शो बालिका बधू में आनंदी का किरदार निभाकर मशहूर हुईं अविका गौर ने 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था।10 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म

ने टिकट खिड़की पर 17.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट ने ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी हॉटस्टार पर दस्तक दे दी है।जो दर्शक इस फिल्म को नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। डिज्नी हॉटस्टार ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर 1920रू हॉरर्स ऑफ द हार्ट का प्रोमो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्या बदले की आग मौत के बाद भी जिंदा रहती है?यह विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा भट्ट के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी।1920रू हॉरर्स ऑफ द हार्ट में राहुल देव, बरखा बिष्ट, अमित बहल और अवतार गिल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे, जबकि इसकी कहानी महेश भट्ट और सुहृता दास ने लिखी थी।

जानें कितने घंटे की नींद है आपके लिए काफी, महिलाओं को सोना चाहिए पुरूषों से ज्यादा

नींद आना और न आना हमारे हाथ में नहीं है लेकिन कुछ आदतों में सुधार कर पर्याप्त नींद ली जा सकती है.बच्चों को नींद ज्यादा आती है तो वहीं बुजुर्गों को नींद ही नहीं आती है. ऐसे में हर किसी के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर कार किस उम्र के व्यक्ति को कितने घंटे सोना चाहिए. असल में किसे कितने घंटे सोना चाहिए यह उसके उम्र पर निर्भर करता है. अगर आप अपनी उम्र के अनुसार नींद नहीं ले रहें हो तो आप बीमार भी पड़ सकते हैं. ऐसे में यह जाना जरूरी है कि आपको कितने घंटे सोना चाहिए.

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार 0 से 3 महीने के बच्चों के 14 से 17 घंटे सोना चाहिए. 4 से12 महीने के बच्चों के 12 से 16 घंटे सोना चाहिए.

1 से 2 साल के बच्चों को 11 से 14 घंटे सोना चाहिए. 3 से 5 साल के बच्चों को 10 से 13 घंटे सोना चाहिए. 6 से 9 साल का बच्चों को 9 से 12 घंटे सोना चाहिए. 14 से 17 साल के बच्चों को प्रतिदिन लगभग 8–10 सोना चाहिए. अंत में युवाओं को 7 से 9 घंटे की नींद लेनी चाहिए. तो, 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को प्रतिदिन 7–8 घंटे की नींद लेनी चाहिए.

महिलाओं को लेनी चाहिए ज्यादा नींद

नेशनल स्लीप फांउडेशन के शोध की मानें तो टीनएज गर्ल्स को 8 से 10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है. वहीं 24 से लेकर 64 साल की महिलाओं को दिन में सात घंटे की नींद अवश्य लेनी चाहिए. एक रिसर्च में ये पाया गया है कि महिलाओं को पुरूषों के मुकाबले ज्यादा नींद की जरूरत होती है. हर महिला को पुरूष से 20 मिनट ज्यादा सोना चाहिए.